सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*" कभी कभी लगता है कि जिन्दगी
जिन्दगी नहीं, जिम्मेदारी है...
जिसे हम जीते कम हैं और निभाते ज्यादा हैं ...!! "*

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–166 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 05 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

पंडवानी की अमर स्वर–साधिका डॉ. तीजन बाई का निधन, छग ने खोया अपनी लोकसंस्कृति का अनमोल रत्न

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की विश्वविख्यात पंडवानी गायिका एवं पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई का 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे 27 मई से रायपुर स्थित एम्स में उपचाररत थीं। देर रात करीब 3:15 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से पूरे छत्तीसगढ़ सहित देश–विदेश के कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

डॉ. तीजन बाई का जन्म दुर्ग जिले (वतर्मान बालोद क्षेत्र से जुड़ा गनियारी गांव) में हुआ था। बचपन से ही उन्होंने अपने नाना से महाभारत की कथाएं और पंडवानी गायन सीखा। उस दौर में महिलाओं का पंडवानी गाना प्रचलित नहीं था, लेकिन उन्होंने सामाजिक बाधाओं को चुनौती देते हुए अपनी अद्भुत प्रतिभा से इस लोककला को नई पहचान दिलाई।

तीजन बाई ने कापालिक शैली में पंडवानी की प्रस्तुति देकर देश–दुनिया के दशकों को मंत्रमुग्ध किया। उनकी दमदार आवाज, अभिनय, भाव–भंगिमा और तंबूरा के साथ महाभारत के पात्रों का जीवंत चित्रण उनकी विशिष्ट पहचान बन गया। उन्होंने भारत के अलावा एशिया, यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देशों में पंडवानी का प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया।

उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री (1988), पद्म भूषण (2003) और पद्म विभूषण (2019) से सम्मानित किया। इसके अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, नृत्य शिरोमणि, कला शिरोमणि सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए। उन्हें मानद डॉक्टरेट (डी.लिट.) की उपाधि भी प्रदान की गई थी।

डॉ. तीजन बाई का जीवन संघर्ष, साधना और लोककला के प्रति समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण रहा। उन्होंने पंडवानी जैसी पारंपरिक लोककला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अनेक शिष्यों को प्रशिक्षण देकर इस विरासत को आगे बढ़ाया।

उनके निधन से छत्तीसगढ़ ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल रत्न खो दिया है। कला जगत, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों की अनेक हस्तियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे भारतीय लोककला के लिए अपूरणीय क्षति बताया। डॉ. तीजन बाई अपनी अमर कला, ओजस्वी गायन और लोकसंस्कृति के संरक्षण में दिए गए अतुलनीय योगदान के कारण सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेंगी।

पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन पर भिलाई इस्पात संयंत्र ने व्यक्त किया गहरा शोक

भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार ने विश्वविख्यात पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण से अलंकृत लोककला की अप्रतिम साधिका तथा भिलाई इस्पात संयंत्र की पूर्व कर्मी तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उनका निधन न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि संपूर्ण देश की सांस्कृतिक एवं लोककलात्मक परंपरा के लिए अपूरणीय क्षति है।

भिलाई के समीप स्थित गनियारी ग्राम में जन्मी तीजन बाई ने अत्यंत साधारण परिवेश से निकलकर अपनी अद्भुत प्रतिभा, अथक साधना और संघर्ष के बल पर पंडवानी जैसी समृद्ध लोककला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नई पहचान दिलाई। उन्होंने महाभारत की कथाओं को अपने ओजस्वी गायन, सशक्त अभिनय और विशिष्ट प्रस्तुति शैली के माध्यम से जीवंत स्वरूप प्रदान किया। उनकी कला ने भारतीय लोकसंस्कृति को विश्व के अनेक देशों तक पहुँचाते हुए भारत की सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं।

तीजन बाई ने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए पंडवानी की पारंपरिक सीमाओं को तोड़ा और अपनी विशिष्ट कापालिक शैली की प्रस्तुति से इस लोकविधा को नई ऊर्जा एवं व्यापक स्वीकार्यता प्रदान की। वे केवल एक लोकगायिका नहीं थीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत की सशक्त संवाहक और लोककलाओं की वैश्विक पहचान थीं।

वर्ष 1986 में वे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ीं। संयंत्र ने उनकी असाधारण प्रतिभा को सदैव सम्मान और प्रोत्साहन दिया। वर्ष 2003 में पद्म भूषण से सम्मानित होने के उपरांत भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित करते हुए पदोन्नति एवं अन्य प्रोत्साहन प्रदान किए गए। वे सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र की उन गौरवशाली कर्मियों में रहीं, जिन्होंने अपनी कला और उपलब्धियों से संयंत्र, छत्तीसगढ़ तथा पूरे भारत का नाम विश्वभर में गौरवान्वित किया।

भारत सरकार ने उनके अद्वितीय योगदान के लिए उन्हें क्रमशः पद्मश्री (1987), पद्म भूषण (2003) तथा पद्म विभूषण (2019) सहित अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया। वे छत्तीसगढ़ की उन विरल विभूतियों में थीं, जिन्होंने भारतीय लोककला को वैश्विक सांस्कृतिक विमर्श का हिस्सा बनाया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के समस्त अधिकारी, कमर्चारी एवं सेवानिवृत्त कर्मी तीजन बाई के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनका संपूर्ण जीवन कला–साधना, संघर्ष, समर्पण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का अनुपम उदाहरण है। उनकी अमूल्य विरासत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार दिवंगत पुण्यात्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों और उनके असंख्य प्रशंसकों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि, 'उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति'

रायपुर। विश्वविख्यात पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, रायपुर पहुंचे। वहां उन्होंने डॉ. तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला–साधना और विलक्षण प्रतिभा से पंडवानी को विश्व पटल पर पहचान दिलाई और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। उनका निधन प्रदेश की लोक संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार में कांग्रेसी ठेकेदार को करोड़ों का टेंडर : मंत्रियों के नाक के नीचे हो रहा खेल

अफसरों की मिलीभगत से मिल रहा करोड़ों का टेंडर, सरकार तक पहुंची बात

- ☑ अधिकारियों पर गिर सकती है गाज
- ☑ जिस ठेकेदार के घर पांच बार ईओडब्ल्यू की रेड, उसे मिल रहा काम
- ☑ शराब और डीएमएफ घोटाले मामले में घोटाले के आरोप
- ☑ तब भी भाजपा सरकार के अफसर हैं मेहरबान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है और इस सरकार में मौज में कांग्रेस से जुड़े लोग और उनके ठेकेदार हैं। इनकी मौज कराने वाले कोई और नहीं, विभागों में पदस्थ अफसर हैं। जो कमीशनखोरी के चक्कर में घटिया सामान सप्लाई कर रहे हैं। साथ ही भाजपा सरकार की नैय्या डूबाने में लगे हैं। ऐसे कई ठेकेदार हैं, जो कांग्रेसी हैं या कांग्रेसी मानसिकता के हैं। इन सबमें एक खास ठेकेदार हैं। ये धमतरी मूल के रहने वाले हैं। खुद को "दोषी" बताते हैं। घोटालों से इनका खास नाता रहा है। शराब घोटाले से लेकर डीएमएफ घोटाले में ईओडब्ल्यू की टीम रेड मार चुकी है। बावजूद इस सप्लायर का जलवा–जुलूम गजब है।

अपने हिसाब से बनवाते हैं टेंडर के नियम...

जिस सप्लायर का जिक्र हो रहा है, वो विभागों के इतने खास हो गए हैं कि अफसरों के साथ मिलकर टेंडर नियम भी अपने हिसाब से बनवा रहे हैं। अफसरों से सेटिंग करके सबकुछ खुद ही तय करते हैं। क्या नियम होगा?, क्या आयटम्स होंगे?, कब तक सप्लाई करनी होगी?, ऊपर कितना कमीशन पहुंचाना है? ये सब दोषी ही तय करते हैं। सबसे ज्यादा काम आदिम जाति एवं विकास विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग में दोषी का जलवा है। ये बात बाहर इसलिए आई है क्योंकि इस दोषी की कंप्लेन हो गई है मुखिया से। अब बात मुखिया तक गई तो कंप्लेन पर कारर्वाई भी लाजिमी है। अब उन अफसरों की सूची बन रही है, जो सीधे दोषी से कमीशन सेट कर वसूल रहे हैं या दोषी के लिए नियम बना रहे हैं। ऐसे अफसरों की सूची बनाने का काम किया जा रहा है।

कोई कांपीटिशन नहीं चाहते दोषी

जब कोई सामान सप्लाई करना होता है या काम निकलता है तो सबसे पहले दोषी से जुड़े अफसरों के कान खड़े होते हैं। दोषी को फोन जाता है कि फलाना काम आ रहा है, तैयारी कर लो। दोषी जी बिना देरी किए सब लाइनअप करते हैं और कांपीटिशन में कोई न आए इस बात का ख्याल रखते हैं। बकायदा डमी कंपनी खड़ी करके खुद कांपीटिशन में एल–1 आते हैं। इन्हें सपोर्ट करने के लिए अफसर अपनी जी–जान लगा देते हैं।

पार्टनर्शिप में 80 करोड़ का काम

इनका पूरा परिवार कांग्रेसी है। चुनाव भी लड़ चुके हैं कांग्रेस की टिकट से। अब तक महिला एवं बाल विकास विभाग और आदिम जाति कल्याण विभाग में सप्लाई का काम करते हैं। चद्दर, कंबल, गणवेश से लेकर अन्य सामाग्री की सप्लाई करते हैं। अब कंस्ट्रक्शन से जुड़े काम में भी कूद पड़े हैं। वहां भी पार्टनर के साथ मिलकर 80 करोड़ का ठेका मिल गया है।

मंत्री भी भन्ना गए, जांच कराने की बात...

दरअसल, इस बारे में विभागीय मंत्रियों तक बात पहुंच गई है। उनमें से एक ने कहा है कि, कांग्रेस सरकार में घोटाले करने वालों को साय सरकार कारर्वाई जरूर करेगी। रही बात, सप्लाई का काम लेने की, तो ये कैसे हो रहा है? इसकी जांच कराने की बात उन्होंने कही है। क्योंकि, मंत्रीजी भी हैरान है कि ऐसे कांग्रेसी प्रोफाइल वाले सप्लायर को ठेका कौन अफसर दे रहा है? उनकी भूमिका पर सवाल है। जल्द ही उस अफसर की पूरी कुंडली सामने आने वाली है। ताकि, उसके खिलाफ कारर्वाई हो।

नकटी गांव कांड के विरोध में कांग्रेस का पुतला दहन, अरुण वोरा हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नकटी गांव में हुई हृदयविदारक घटना के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस ने पटेल चौक, दुर्ग में पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा भी शामिल हुए। पुतला दहन के दौरान अरुण वोरा ने कहा कि नकटी गांव की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। 77 परिवारों के घर उजड़ना अत्यंत दुखद और निंदनीय है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले में दोषियों के विरुद्ध त्वरित, निष्पक्ष और कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय और उचित सहायता दी जाए। अरुण वोरा ने कहा, "प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें न्याय मिलने तक उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा।"

विस अध्यक्ष डॉ. रमन और डॉ. सरोज पाण्डेय की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से पूर्व सांसद सरोज पांडेय ने सौजन्य मुलाकात की, मुलाकात के दौरान बैठक में कई महत्पूर्ण विषयों पर दोनों सीनियर नेताओं के बीच चर्चा भी हुई। ऐसा माना जा रहा है कि इस मुलाकात का दूरगामी राजनीतिक परिणाम देखने को मिलेगा।

एनसीपी– (शरद पवार गुट) का कांग्रेस में विलय संभव

विशेष संवाददाता / मुंबई–दिल्ली

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार के बयान के अनुसार, शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी NCP का कांग्रेस में विलय हो सकता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने दावा किया है कि शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच संभावित विलय को लेकर बातचीत चल रही है। वडेट्टीवार के मुताबिक इस प्रस्ताव को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। हालांकि अभी तक कांग्रेस हाईकमान या शरद पवार गुट की तरफ से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दोनों दलों के नेताओं ने अभी इस पर टिप्पणी करने से बचते हुए कहा है कि "गठबंधन पहले से मजबूत है और आगे भी जारी रहेगा।"

सूत्रों का कहना है कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद विपक्षी एकता को मजबूत करने और भाजपा के सामने एकजुट चुनौती पेश करने के लिए यह विकल्प टेबल पर आया है। विलय से महाराष्ट्र में कांग्रेस की जमीनी संगठनात्मक ताकत और

वडेट्टीवार के बयान से महाराष्ट्र की सियासत में हलचल, राहुल गांधी की 'मंजूरी' का भी जिक्र

ठउढ के मराठा–ग्रामीण आधार को एक साथ लाने की रणनीति बन सकती है।

महाराष्ट्र की राजनीति पर असर

विपक्ष मजबूत होगा: अगर विलय होता है तो महाराष्ट्र में कांग्रेस + NCP एक बड़ी ताकत बन जाएगी। इससे महाविकास आघाड़ी MVA के भीतर सीट बंटवारे और नेतृत्व के झगड़े खत्म होने की संभावना है।

NCP का अस्तित्व: शरद पवार गुट के कई नेताओं के लिए यह मुश्किल फैसला होगा। अजित पवार गुट पहले ही NCP नाम और चुनाव चिन्ह लेकर सरकार में है। ऐसे में शरद गुट के पास कांग्रेस में जाकर अपनी पहचान बचाने का विकल्प हो सकता है।

- मराठा वोट बैंक: दोनों दलों का पारंपरिक वोट बैंक मिलकर भाजपा–शिवसेना गठबंधन को पश्चिमी महाराष्ट्र में सीधी टक्कर दे सकता है।

राष्ट्रीय राजनीति पर असर

– **I.N.D.I.A गठबंधन को संदेश:** यह विलय विपक्षी एकता की दिशा में बड़ा कदम माना जाएगा। इससे अन्य क्षेत्रीय दलों पर भी कांग्रेस के साथ आने का दबाव बढ़ेगा।

- कांग्रेस का पुनरुद्धार: महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में संगठन मजबूत होने से कांग्रेस को लोकसभा 2029 की तैयारी में मदद मिलेगी– भाजपा की रणनीतिः भाजपा के लिए यह चुनौती होगी क्योंकि उसे अब एक बड़े और एकजुट विपक्ष का सामना करना पड़ेगा। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच पद और टिकट को लेकर टकराव की आशंका।– NCP की अलग पहचान खत्म होने से शरद पवार के पुराने समथर्कों में नाराजगी। – अजित पवार गुट इसका फायदा उठाकर खुद को "असली NCP" बताने की कोशिश करेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अभी यह सिर्फ शुरुआती चर्चा है। अंतिम फैसला शरद पवार, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की बैठक के बाद ही होगा। फिलहाल महाराष्ट्र की सियासत इस बयान के बाद गर्म है। अगले कुछ हफ्तों में तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

नगर निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय ने जोन-5 क्षेत्र का किया औचक निरीक्षण

उद्यान से टेनिस कोर्ट तक व्यवस्थाएं परखीं, मरम्मत और सफाई के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

"स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई" अभियान के तहत नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को जोन-5 क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उद्यान, खेल मैदान, सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

आयुक्त ने सेक्टर-10 स्थित उद्यान का निरीक्षण कर साफ-सफाई और पेवर ब्लॉक की स्थिति देखी। उन्होंने पार्क की सुंदरता और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुधार कार्य जल्द कराने के निर्देश दिए। पास में स्थित क्रिकेट कोर्ट में जाली और नेट की मरम्मत तुरंत कराने को कहा।

सड़क क्रमांक-5 पर रोड किनारे लगे पेवर ब्लॉकों का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने पाया कि लंबे समय से उपयोग के कारण कई जगह ब्लॉक उखड़ गए हैं। इससे बारिश में जलभराव की समस्या हो रही है। उन्होंने संबंधित एजेंसी से तत्काल संधारण कराने के निर्देश दिए।

जोनल मार्केट के पास कचरा डंपिंग प्वाइंट पर कई दिनों से कचरा न उठाए जाने पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त ने कचरे का तत्काल उठाव सुनिश्चित करने को कहा, ताकि क्षेत्रवासियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

साथ ही सड़क क्रमांक-11 स्थित दुर्गा पूजा मैदान के पास यात्री प्रतीक्षालय में लगी कुर्सियों की मरम्मत और सड़क क्रमांक-13 व 14 के समीप टेनिस कोर्ट में आवश्यक संधारण कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अजय गौर, पार्षद अभय सोनी, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

खास खबर

आईपीएल सट्टा-म्युल अकाउंट गिरोह पर सुपेला पुलिस की कार्रवाई
बैंक खाते बेचने वाला पांचवा आरोपी गिरफ्तार, अब तक 5 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुपेला पुलिस ने आईपीएल सट्टा और म्युल अकाउंट संचालन के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की है। प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी दुलेश्वर कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक कुल 5 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस के अनुसार 24 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जगदलपुर निवासी कुछ लोग सुपेला क्षेत्र में आईपीएल सट्टा और म्युल अकाउंट के लिए बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड और अन्य दस्तावेज बेचने आए हैं। सूचना पर थाना सुपेला पुलिस ने पांच रास्ता हनुमान मंदिर ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर तीन आरोपियों को पकड़ा था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने और अन्य लोगों के बैंक खाते सुपेला निवासी विशाल गुप्ता और अन्य को सट्टा संचालन के लिए बेचे थे। प्रकरण में अपराध क्रमांक 718/2026 धारा 317(2), 318(4), 3(5) BNS के तहत मामला दर्ज कर पहले चार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

पुलिस ने पहले की कार्रवाई में बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड और अन्य बैंकिंग दस्तावेज जब्त किए थे। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक या अन्य बैंकिंग दस्तावेज किसी को उपयोग के लिए न दें। इस तरह के दस्तावेज साइबर अपराध और ऑनलाइन सट्टा में इस्तेमाल होते हैं। इसमें शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला अम्बर भारद्वाज, सउनि पुरन लाल साहू, प्रधान आरक्षक शुभोध और आरक्षक अजीत यादव की भूमिका सराहनीय रही।

सेवा सेतु से घर बैठे मिले जनजातीय प्रमाण-पत्र
दुर्ग जिले के दो हितग्राहियों को ऑनलाइन जारी हुआ जाति प्रमाण-पत्र

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार की डिजिटल पहल सेवा सेतु अब दूरदराज के गांवों तक अपनी पहुंच बना रही है। इसी का उदाहरण दुर्ग जिले के ग्राम बोरई में देखने को मिला, जहां 3 जुलाई को आवेदन करने वाले दो हितग्राहियों को घर बैठे ही जनजातीय प्रमाण-पत्र मिल गया।

जिला प्रशासन के अनुसार ग्राम बोरई के जय ठाकुर और यमुना ठाकुर ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से सामाजिक प्रास्थिति अनुसूचित जनजाति गोड़ का प्रमाण-पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। अनुविभागीय अधिकारी हरवंश सिंह मिरी ने दस्तावेजों का परीक्षण कर दोनों का प्रमाण-पत्र त्वरित रूप से स्वीकृत कर ऑनलाइन जारी कर दिया। हितग्राहियों को बिना किसी दफ्तर के चक्कर लगाए और बिना दलाल के डिजिटल दस्तावेज प्राप्त हुए। इससे उनका समय और पैसा दोनों बचा।

सेवा सेतु राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत लगभग 36 विभागों की 528 सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को पारदर्शी और त्वरित तरीके से सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। प्रशासन ने बताया कि इस डिजिटल व्यवस्था से पढ़ाई और नौकरी के लिए जरूरी प्रमाण-पत्र अब आसानी से और बिना बिचौलियों के मिल रहे हैं।

नकटी में गरीबों के घर तोड़ने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, बरसते पानी में फूंका सीएम का पुतला

पुतला छीनने का प्रयास किया तो कांग्रेसियों और पुलिस के बीच झूमा-झटकी भी हुई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रायपुर जिले के ग्राम नकटी में अतिक्रमण के नाम पर गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने के विरोध में भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को घड़ी चौक, सुपेला में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन किया।

प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने किया। शाम 6 बजे सैकड़ों कार्यकर्ता चंदूलाल चंद्राकार चौक पर जुटे और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यक्रम की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस बल की भारी तैनाती की गई थी।

प्रदर्शन के दौरान बारिश शुरू हो गई, इसके बावजूद कार्यकर्ताओं का जोश कम नहीं हुआ। पुलिस ने मुख्यमंत्री का पुतला छीनने का प्रयास किया तो कांग्रेसियों और पुलिस के बीच झूमा-झटकी भी हुई। अंततः कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंक दिया।

"भाजपा सत्ता के नशे में, गरीबों को न्याय दिलाएंगे"

पुतला दहन के बाद अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि भाजपा सत्ता के नशे में चूर होकर जनविरोधी फैसले ले रही है। नकटी में जिस बेदर्दी से गरीबों के मकान तोड़े गए, वहां सैकड़ों परिवार आज बेघर होकर बिलख रहे हैं। कांग्रेस हमेशा गरीबों के साथ खड़ी रही है और नकटी के लोगों को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदर्शन में महापौर नीरज पाल, शिंजू एंथोनी, भूपेंद्र यादव, नीता लोधी, पिंकी वर्मा, सुजीत साओ, संदीप निरंकारी, लालचंद वर्मा, केशव चौबे, हीरा शंकर साहू, जी राजू, दिनेश पटेल, रविंद्र सिंह, शमशेर सिद्दीकी, प्रभाकर जनबंधु सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और नागरिक शामिल हुए।

बीएसपी प्रबंधन ने 86 कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में जून माह 2026 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले 86 कर्मचारियों को शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी गई। इनमें खदान बिरादरी के 5 और संयंत्र के 81 गैर-कार्यपालक कर्मचारी शामिल हैं।

यह समारोह 4 जुलाई को भिलाई निवास में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन-संकार्य जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक मानव संसाधन संजय द्विवेदी, उप महाप्रबंधक मानव संसाधन-कर्मचारी सेवाएं मनीष पंत और उप महाप्रबंधक मानव संसाधन-एससीए राजेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान कर उनके संयंत्र में दिए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने सभी को स्वस्थ एवं सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रबंधन ने कहा कि इस्पात बिरादरी के इन सदस्यों ने वर्षों तक संयंत्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके अनुभव और समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। प्रबंधन ने सभी के जीवन के नए पड़ाव के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया।

जेएनएच में सेव अ लाइफ के तहत सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

आम नागरिकों को दी गई हाथों से ही सीपीआर की व्यावहारिक ट्रेनिंग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग ने सेव अ लाइफ पहल के तहत मासिक हैंड्स-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य समुदाय में अचानक हृदयाघात की स्थिति में त्वरित जीवनरक्षक सहायता देने के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आम लोगों को सीपीआर तकनीक का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था।

कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर और डॉ. उदय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण डॉ. तनुजा आनंद, डॉ. अमित अग्रवाल और डॉ. प्रिया पंकज ने डीएनबी रेजिडेंट चिकित्सकों के सहयोग से दिया।

कार्यशाला में एक प्रतिभागी ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर सहकर्मी को हृदयाघात आने पर प्रशिक्षण में सीखी सीपीआर तकनीक से समय पर मदद कर उन्होंने उसका जीवन बचाया। इस अनुभव ने सभी को भावुक कर दिया और यह संदेश दिया कि सीपीआर हर व्यक्ति के लिए जीवन बचाने का प्रभावी तरीका बन सकता है।

कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के नागरिकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने मैनिकिन पर चेस्ट कंप्रेशन का अभ्यास किया। विशेषज्ञों ने सही तकनीक, शरीर की स्थिति और प्रभावी कंप्रेशन की विधि सिखाई। अंत में आयोजित संवाद सत्र में आपातकालीन हृदय देखभाल और सीपीआर से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए गए।

बीएसपी में वेल्थ मैनेजमेंट जागरूकता सत्र का आयोजन

103 कर्मचारियों ने ली भागीदारी, वित्तीय नियोजन के दिए गए टिप्स

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा कर्मचारियों में वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के उद्देश्य से 3 जुलाई को ज्ञानार्जन एवं विकास केन्द्र के सभागार में वेल्थ मैनेजमेंट जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक मानव संसाधन संजय द्विवेदी थे। इस सत्र में कुल 103 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। विशेष रूप से 50 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया ताकि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय नियोजन और संपत्ति प्रबंधन की जानकारी मिल सके।

कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन जेएन ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। तकनीकी सत्र एक्सिस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक रइकके विशेषज्ञों द्वारा संचालित किए गए। विशेषज्ञों ने वित्तीय नियोजन, निवेश रणनीतियाँ, सेवानिवृत्ति निधि निर्माण, कर-बचत निवेश विकल्प और प्रभावी वेल्थ मैनेजमेंट पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही कर्मचारियों के सवालों के जवाब भी दिए।

अपने संबोधन में संजय द्विवेदी ने कहा कि कर्मचारियों का वित्तीय रूप से जागरूक और आत्मनिर्भर होना जरूरी है। विशेषकर सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच रहे कर्मचारियों के लिए सुनियोजित वित्तीय प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस तरह के उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कार्मिक विभाग की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन मिहिर मनोहर ने किया। अंत में संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ का 7 से 11 जुलाई तक सांसद-विधायकों को 6 सूत्रीय ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, दुर्ग ने अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर 7 से 11 जुलाई के मध्य सांसदों और विधायकों को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है। संघ के पदाधिकारी मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उनके निवास या प्रवास के दौरान सौंपेंगे। जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव ने बताया कि संघ की मांगें "मोदी की गारंटी" के नाम पर कर्मचारियों से की गई घोषणाओं को लागू कराने को लेकर हैं।

संघ की प्रमुख 6 मांगें: 2% महंगाई भत्ताः विद्युत मंडल, न्यायिक सेवा और अखिल भारतीय सेवाओं को 1 जनवरी 2026 से 2% DA मिल चुका है, लेकिन राज्य के 4.50 लाख अधिकारी-कर्मचारियों को इससे

वंचित रखा गया है। कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र की तिथि से DA और DR दिया जाए तथा एरियर्स की राशि GPF में समायोजित की जाए।

कैशलेस चिकित्सा: बजट सत्र में वित्त मंत्री द्वारा की गई कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा के लिए नियम-निर्देश तत्काल जारी किए जाएं।

अवकाश नगदीकरण: सेवानिवृत्ति पर 240 दिन के स्थान पर 300 दिन के अवकाश का नगदीकरण किया जाए, जैसा केंद्र और पूर्व मध्यप्रदेश में है।

नियमितीकरण: संविदा, दैनिक वेतनभोगी और अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जाए और मध्यप्रदेश की तरह सेवा सुरक्षा दी जाए।

शिक्षक LB संवर्ग: प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर शिक्षक छइ संवर्ग को समस्त सेवा का लाभ दिया जाए।

अनुकम्पा नियुक्ति: अनुकम्पा नियुक्ति की 10% सीलिंग समाप्त कर सभी पात्रों को नियुक्ति दी जाए।

संघ ने मांग की है कि उपरोक्त बिंदुओं का निराकरण शीघ्र किया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान राजेश चटर्जी, विजय लहरे, प्रदीप चौहान, शिवदयाल धृतलहरे, सुखेन्द्र देवांगन, धर्मेन्द्र देशमुख, वी.एस. राव, सुरेश साहू, पंकज राठौर, मोतीराम खिलाड़ी, प्रवीण रात्रे, जुवेल लकड़ा, अमर पटेल, अनिल दुबे सहित संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

चिंतन शिविर 3.0 से सुशासन के अगले चरण की रूपरेखा तैयार होगी : मुख्यमंत्री साय

डिजिटल गवर्नेंस, उभरती तकनीकों, कृषि समृद्धि और नेतृत्व विकास पर मंथन, पिछले चिंतन शिविरों के परिणामस्वरूप ई-ऑफिस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और सेवा सेतु जैसे नवाचार हुए साकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विकसित छत्तीसगढ़ के लिए दूरदर्शी नीति-निर्माण की दिशा में सरकार ने चिंतन शिविर 3.0 का आयोजन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य शासन-प्रशासन को अधिक प्रभावी, आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाना है। भारतीय प्रबंधन संस्थान क्क्ट रायपुर में सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा क्क्ट रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मंत्रिमंडल चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्य और देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंतन शिविर अब केवल चर्चा का मंच नहीं, बल्कि शासन की कार्यसंस्कृति में सुधार और नवाचार का जरिया बन गया है। पिछले दो शिविरों के सुझावों पर ई-ऑफिस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और सेवा सेतु जैसे नवाचार शुरू किए गए। आज सेवा सेतु के माध्यम से 36 विभागों की 520 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन दी जा रही हैं।

पहले दिन के प्रमुख सत्र

- **नेतृत्व विकासः** आध्यात्मिक चिंतक गौर गोपाल दास ने मूल्य-आधारित नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासन पर जोर दिया।
- **उभरती तकनीकें:** नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर ने एआई, 5जी, ड्रोन, ब्लॉकचेन और डेटा आधारित प्रशासन से शासन को दक्ष और पारदर्शी बनाने के उपाय बताए।
- **कृषि से समृद्धिः** कृषि अर्थशास्त्री डॉ. रमेश चंद और कृषि विशेषज्ञ टी. विजय कुमार ने प्राकृतिक खेती, जलवायु अनुकूल कृषि, फसल विविधीकरण और तकनीक आधारित कृषि सुधारों पर सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस शिविर से निकले सुझाव सुशासन, तकनीक आधारित प्रशासन और कृषि सुधार के नए मानक तय करेंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए नवाचार और प्रभावी नीतियों को लगातार बढ़ावा दिया जाएगा।

खास खबर

रायपुर में प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार, 300 नग नाईट्रोसन-10 जब्त, 1.50 लाख की सामग्री बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स और थाना गोलबाजार पुलिस की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित नशीली टेबलेट की बिक्री करने वाले गिरोह पर कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त मध्य क्षेत्र उमेश प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में आरोपियों के पास से 300 नग नाईट्रोसन-10 टेबलेट जब्त की गई। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 1.50 लाख रुपये बताई जा रही है।

4 जुलाई को सूचना मिली थी कि गोलबाजार थाना क्षेत्र के दाई कोरा भवन के सामने कुछ युवक प्रतिबंधित नशीली टेबलेट लेकर बिक्री की फिराक में हैं। सूचना पर संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर 3 संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम मोह. असपाक, शिवम ढीमर और तुषार ढीमर बताया। तलाशी में उनके बैग से 300 नग नाईट्रोसन-10 प्रतिबंधित टेबलेट, 400 रुपये नगदी और 2 मोबाइल फोन बरामद हुए। आरोपियों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला।

तीनों के खिलाफ थाना गोलबाजार में अपराध क्रमांक 105/26 धारा 22(ख) नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक कार्रवाई की गई है। पुलिस आरोपियों से फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। गिरफ्तार आरोपी में मोह. असपाक पिता मोह. फारूख, उम्र 25 वर्ष, निवासी कबीर नगर झंडा चौक, थाना कबीर नगर रायपुर , शिवम ढीमर पिता सुनील ढीमर, उम्र 22 वर्ष, निवासी मंगल बाजार, थाना आजाद चौक रायपुर, तुषार ढीमर पिता अनिल ढीमर, उम्र 20 वर्ष, निवासी कुरूद अटल आवास, थाना कुरूद जिला धमतरी शामिल हैं।

खमतराई पुलिस ने ई-रिक्शा और स्कूटी चोरी की 2 वारदातों का किया खुलासा

विधि से संघर्षरत 2 बालक पकड़े, 1.50 लाख का सामान जब्त

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना खमतराई पुलिस ने ई-रिक्शा और दोपहिया वाहन चोरी की दो अलग-अलग वारदातों का खुलासा किया है। इस मामले में विधि के साथ संघर्षरत 2 बालकों को पकड़ा गया है। इनके कब्जे से चोरी की ई-रिक्शा और टीवीएस स्कूटी जब्त की गई है, जिसकी कुल कीमत लगभग 1.50 लाख रुपये है।

पुलिस के अनुसार रावाभांठा निवासी अजय यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 27 जून की रात उसने अपने घर के सामने ई-रिक्शा क्रमांक CG 04 NT 0169 खड़ी की थी, जो अगली सुबह गायब मिली। इसी तरह 28 जून को बंजारी नगर, रावाभांठा में पाल ट्रेडर्स के पास से दिलीप परिहार की टीवीएस स्कूटी क्रमांक सीजी 04 QA 3039 भी चोरी हो गई थी। दोनों मामलों में थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 601/26 और 603/2026 धारा 303(2) BNS के तहत केस दर्ज किया गया था।

पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर के निर्देश पर एण्टी क्राइम टीम और खमतराई पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। जांच के दौरान टीम ने घटना में शामिल 2 विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर दोनों चोरियां करना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की ई-रिक्शा और स्कूटी बरामद कर ली है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए एक बालक के खिलाफ पहले से थाना उरला में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। प्रकरण में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

सूरजपुर में अब और मजबूत होगी बीट पुलिसिंग

पंचायत भवनों और गांवों में लगे थाना-चौकी व बीट प्रभारियों के नाम-मोबाइल के पोस्टर

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

जिले में जनता और पुलिस के बीच सीधा संवाद बढ़ाने के लिए अब बीट पुलिसिंग को और मजबूत किया जा रहा है। डीआईजी एवं एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के 22 थाना-चौकी क्षेत्रों के 72 बीट के 558 गांवों और पंचायत भवनों में थाना-चौकी प्रभारियों और बीट प्रभारियों के नाम व मोबाइल नंबर के पोस्टर चस्पा किए गए हैं।

एसएसपी ने 27 जून 2026 को आयोजित कायर्शाला में बुनियादी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ाने और शिकायतों को पेशेवर तरीके से सुनने के निर्देश दिए थे। साथ ही सभी पंचायतों व प्रमुख स्थानों पर प्रभारियों के संपर्क नंबर सार्वजनिक करने को कहा था।

एसपी ने किया निरीक्षण

निर्देशों के क्रियान्वयन का जायजा लेने शुक्रवार 3 जुलाई को डीआईजी एवं एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर स्वयं खड़गवां के पंचायत भवन पहुंचे। यहां पहले से ही चौकी प्रभारी और बीट प्रभारी सहित कमर्चारियों के नाम व मोबाइल नंबर की जानकारी चस्पा की जा चुकी थी।

इस दौरान एसएसपी ने कहा कि इस मुहिम से अब आम जनता को पुलिस तक पहुंचने में आसानी होगी। वे अपनी समस्या सीधे बता कर निराकरण करा सकेंगे। क्षेत्र की अवैध गतिविधियों की सटीक जानकारी मिलने से अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

बीट आरक्षकों की ये रहेगी जिम्मेदारी

एसएसपी ने बताया कि बीट आरक्षक क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर आम नागरिकों से निरंतर संवाद स्थापित करेंगे। महिला सुरक्षा पर विशेष फोकस रहेगा। स्कूल-कॉलेजों में जाकर सुरक्षा, यातायात नियमों और नशे से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करना और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

विदेशो में शिक्षा प्राप्त कर देश की सेवा करें : रामचन्द्र शर्मा

सोचेंगे तो ऊंचाई पर पहुंचेंगे : ऋतु अग्रवाल, संस्कार स्कूल में विदेश में कैरियर अवसर पर सेमीनार

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

शहर की प्रसिद्ध प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल के द्वारा 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को विदेश में शिक्षा के मौके प्राप्त करने हेतु जानकारी देने के लिए सेमीनार का आयोजन किया गया। संस्था की प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा ने बताया कि जम्मू-काश्मीर के जम्मू की प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं एजुकेशनल काउंसलर ऋतु अग्रवाल एवं संस्कार स्कूल के मार्गदर्शक एवं प्रसिद्ध मोटिवेटर रामचन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में विदेशों में कैरियर काउंसिलिंग सेमीनार का आयोजन स्कूल के मिनी ऑडिटोरियम में किया गया।

जिसमें शिक्षविद ऋतु अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से यूरोप, यूके, यूएसए आदि देशों में कैसे जाया जा सकता है किस प्रकार से विभिन्न परीक्षाओं के माध्यम से स्कॉलरशिप प्राप्त की जा सकती है। अलग-अलग विषय पर अलग-अलग तरीके से विदेश जाने हेतु परीक्षाएं आयोजित होती है। इसके बारे में भी विस्तार से बताया गया। जबकि मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा ने विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के लाभ तथा वापस आकर परिवार के लिए मजबूत कंधा बनने की बात कही। किस प्रकार से विदेशी शिक्षा का लाभ देश में वापसी पश्चात लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्ति कहीं भी करें लेकिन देश में वापस आकर मातृभूमि की सेवा कर इसका कर्ज उतारे।

कार्यक्रम से शताधिक बच्चों ने लाभ उठाया अंत में प्रश्नकाल रखा गया जिसमें बच्चों ने अपनी जिज्ञासाओं को प्रश्न पूछकर शांत किया। कार्यक्रम में प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान एक्टिंग डायरेक्टर सी.पी. देवांगन, शिक्षकगण मौजूद रहे।

डीडी नगर रायपुर पुलिस ने 34 घंटे में किया झपटमारी का खुलासा

शातिर आरोपी 'कल्लू' गिरफ्तार, 10 लाख का सोना-गाड़ी जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डीडी नगर पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने झपटमारी की घटना का 34 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 10 लाख रुपये कीमत के सोने के जेवर, मोबाइल और घटना में प्रयुक्त एक्टिवा जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार कबीरधाम निवासी चंद्रिका देवांगन 2 जुलाई की सुबह सरोना स्थित राधाकृष्ण मंदिर के पास पैदल जा रही थीं। इसी दौरान एक स्कूटी सवार ने झपट्टा मारकर उनका पर्स छीन लिया और केपीएस स्कूल की ओर भाग गया। पर्स में सोने के जेवर और मोबाइल था। इस पर थाना डीडी नगर में अपराध क्रमांक 411/26 धारा 304(2) इठर के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त पश्चिम क्षेत्र संदीप पटेल के निर्देश पर एण्टी क्राइम टीम और डीडी नगर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान शेख अख्तर उर्फ कल्लू निवासी टिकरापारा के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने झपटमारी करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सोने का रानी हार, चैन, झुमका, एयरिंग, 1 मोबाइल और घटना में प्रयुक्त एक्टिवा बरामद की। जब्त मशरूके की कुल कीमत लगभग 10 लाख रुपये है। पुलिस ने बताया कि शेख अख्तर उर्फ कल्लू आदतन अपराधी है। इसके खिलाफ टिकरापारा, पुरानी बस्ती, डीडी नगर, सरस्वती नगर और कोतवाली थानों में लूट, चोरी, झपटमारी, मारपीट और आर्म्स एक्ट के लगभग एक दर्जन प्रकरण दर्ज हैं। वह पहले भी जेल जा चुका है।

नशे में था पति, पत्नी के साथ गैंगरेप, बाजार से लौट रहे थे दोनों

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में 4 युवकों ने महिला से गैंगरेप किया है। 27 जून को महिला अपने पति के साथ बाजार गई थी। शाम को खरीदारी के बाद दोनों घर लौट रहे थे। महिला का पति नशे में था। वह इतना नशे में था कि रास्ते में गिर पड़ा। इसका फायदा उठाकर बदमाशों ने उसे बंधक बना लिया और महिला को अपने साथ खेत ले गए, जहां पति के सामने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला रामानुजनगर थाना क्षेत्र का है। घटना 27 जून शाम की है। पीड़िता अपने पति के साथ साप्ताहिक बाजार गई थी। जहां दोनों ने सामान की खरीदारी की। लौटते समय पति ने कोसना (चावल की शराब) पी ली। रात करीब साढ़े 8 बजे रास्ते में मंहगई निवासी ऋतु यादव (30) और उसके तीन साथियों ने महिला के पति को बंधक बना लिया और पत्नी से गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी। सभी आरोपी भी नशे की हालत में थे। जैसे-तैसे महिला अपने पति के साथ देर रात घर पहुंची। वह घटना से सहमी हुई थी। 2 दिनों बाद मामले की जानकारी अन्य लोगों को मिली तो महिला को उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए फोर्स किया, जिसके बाद पीड़िता ने रामानुजनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों में ऋतु यादव (30), रामजी (25), कपील और रामेश्वर शामिल है।

पंडरी पुलिस ने पकड़ा ओडिशा का गांजा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एण्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स और थाना पंडरी पुलिस की संयुक्त टीम ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के मामले में ओडिशा के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 4.180 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार 3 जुलाई को सूचना मिली थी कि पंडरी थाना क्षेत्र के कापा स्थित माल धक्का रोड के पास एक व्यक्ति बैग में गांजा लेकर बिक्री की फिराक में है। सूचना पर पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर के निर्देश पर संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मानस रंजन नाग बताया। तलाशी में उसके बैग से 4.180 किलोग्राम गांजा और 500 रुपये नगदी बरामद हुई। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 2,09,000 रुपये है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना पंडरी में अपराध क्रमांक 190/26 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी में मानस रंजन नाग पिता सर्वेश्वर नाग, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम सिनापाली, थाना सिनापाली, जिला नुआपाड़ा ओडिशा। हाल पता - लोधीपारा वर्मा बाड़ा, थाना पंडरी रायपुर शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी से फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर पूछताछ की जा रही है ताकि इस नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

पश्चिम क्षेत्र पुलिस का एक सप्ताह में बड़ा अभियान

55 फरार आरोपी गिरफ्तार, 76 वारंट तामिल, 53 नशा तस्करों पर कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अपराधों पर अंकुश और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए रायपुर कमिश्नरेट के पश्चिम क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान में पुलिस ने 55 फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और 76 स्थायी व गिरफ्तारी वारंटों की तामिली की।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम क्षेत्र संदीप पटेल के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों ने फरार आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी। साथ ही अवैध नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की गई।

एक सप्ताह की प्रमुख उपलब्धियांः
- 55 फरार आरोपी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किए गए
- 76 स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंट तामिल किए गए
- 53 नशे के कारोबारियों के खिलाफ आबकारी एक्ट, एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज हैं। 3 चाकूबाजी के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आरोपी गिरफ्तार
- कुल 47 अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई।

थाना स्तर पर कार्रवाई : -

टिकरापाराः सबसे ज्यादा 8 फरार आरोपी गिरफ्तार, 24 वारंट तामिल
- डी नगरः नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई , 13 कारोबारियों पर केस, 9 वारंट तामिल
- आजाद चौकः गंभीर अपराध में 2 आरोपी गिरफ्तार
- पुरानी बस्तीः एनडीपीएस एक्ट में 1 आरोपी पकड़ा गया

पुलिस ने बताया कि पश्चिम क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए फरार व आदतन अपराधियों की धरपकड़, वारंट निष्पादन, अवैध नशे पर रोक और निगरानी बदमाशों की सतत निगरानी का अभियान लगातार जारी रहेगा।

संपादकीय

स्कूलों में जारी रहेगी सरस्वती वंदना,मंत्रोच्चार भी होगा

किसी भी प्रदेश में कई राजनीतिक दल होते हैं,सबकी अपनी अपनी विचारधारा होती है ।अलग-अलग धर्म,संप्रदाय,जाति,भाषा के नेता होते हैं, उनकी अपनी मान्यता होती है,अपनी सोच होती है ।सरकार कुछ भी करती है तो उसे लेकर दो तरह की ही प्रतिक्रिया सामने आती है ।एक प्रतिक्रिया होती है,विरोध की यानी सरकार अच्छा करे तो भी विरोध करना है और बुरा करना है तो भी विरोध करना है। यानी ऐसे लोगों की मानसिकता होती है कि सरकार कुछ भी अच्छा नहीं कर सकती है, वह गलत करती है और उसके हर काम को गलत कहना हमारा कर्तव्य है। एक पक्ष होता है जो सरकार के काम को अच्छा कहता है, उसकी तारीफ करता है और बताने की कोशिश करता है कि सरकार के इस काम से राज्य व राज्य के लोगों को क्या फायदा होगा ।राज्य सरकार ने शिक्षा के नए सत्र से स्कूलों में सरस्वती वंदना व कई तरह के मंत्र पढ़ने की शुरुआत की है। इसका मकसद बच्चों को अच्छा संस्कार देना है,उनकी मानसिक एकाग्रता को बढ़ाना है ताकि वह स्कूल में मन लगाकर पढ़ाई करें।

भाजपा कुछ करती है तो कांग्रेस का परम धर्म है कि वह उसे गलत साबित करे,सरकार ने नए सत्र में सरस्वती वंदना और मंत्रोच्चार शुरू करने का सबसे पहले कांग्रेस ने विरोध किया कि भाजपा सरकार संघ का एजेंडा स्कूलों में लागू कर रही है ।राज्य के सरकारी स्कूलों को सरस्वती शिशु मंदिर बनाया जा रहा है ।कांग्रेस को वहम रहा है कि उसकी धर्मनिरपेक्षता की नीति ही सबसे अच्छी नीति है लेकिन जनता ने भाजपा को ज्यादातर चुनावों में जिताकर कांग्रेस की यह गलतफहमी दूर कर दी है कि धर्मनिरपेक्षता की नीति से ही देश व जनता का भला हो सकता है ।साथ ही यह भी बता दिया है कि भाजपा सरकार भी जो कुछ करती है उससे भी देश व देश,राज्यों व जनता का भला हुआ है और आगे भी हो सकता है ।कांग्रेस स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार का विरोध बयानों तक सीमित रही। यानी विपक्ष का धर्म उसने बयान देकर पूरा कर दिया।

कांग्रेस से दो कदम आगे कुछ लोग निकल गए और स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार को असंवैधानिक मानते हुए हाईकोर्ट चले गए ।उनको उम्मीद थी कि सरकार के इस कदम को हाईकोर्ट जरूर गलत मानेगा लेकिन उनको हाईकोर्ट के फैसले से निश्चित निराशा हुई होगी क्योंकि इस मामले में होईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है और साफ कर दिया है कि राज्य की साय सरकार स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार की शुरूआत करके कोई गलत काम नहीं किया है ।राज्य सरकार ने प्रदेश के स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार शुरू करने के लिए पत्र जारी किया था ।इसे चुनौती देते हुए छग राज्य वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल सलीम रिजवी व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। याचिका में कहा गया था कि स्कूल शिक्षा विभाग का यह आदेश भारत के संविधान का उल्लंघन करता है। मुस्लिम,ईसाई धर्म में भी अच्छी बातें लिखी हैं लेकिन सिर्फ हिंदू धर्म के मंत्रों का उच्चार स्कूलों में कराया जा रहा है।

वित्तपोषित संस्थानों में धार्मिक शिक्षा का अनुष्ठान नहीं कराए जा सकते ।यह संविधान के अनुच्छेद २८ की भावना के विपरीत है। याचिकाकर्ता का यह भी कहना था कि स्कूल वैज्ञानिक दृष्टिकोण के केंद्र होने चाहिए,न कि किसी विशेष धर्म परंपरा के प्रचार का माध्यम होने चाहिए ।मामले की सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पक्ष रखते हुए कोर्ट को बताया गया कि अभी किसी स्कूल में मंत्रोच्चार नहीं कराया जा रहा है, बाद में स्कूलों में सरस्वती वंदना और मंत्रोच्चार कराया भी जाएगा तो वह सभी के लिए बाध्यकारी नहीं होगा। यानी जिसको करना है करे जिसको नहीं करना है नहीं करे ।शासन के इस जवाब के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. आमिर खान से कहा कि स्कूलों में मंत्रोच्चार के लिए किसी का बाध्य नहीं किया जाएगा। अगर इसके बाद भी कहीं मंत्रोच्चार के लिए दबाव डाला जाता है तो आप सबूत के साथ फिर याचिका पेश कर सकते हैं और याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी।

सरस्वती वंदना यानी ज्ञान की देवी से प्रार्थना की जाती है कि हमे ऐसा ज्ञान दो कि हम अच्छे रास्ते पर चलें ।यह कोई बुरी बात तो नहीं है,सब धर्म में आदमी यही प्रार्थना तो करता है कि मुझे अच्छे बुरे का ज्ञान रहे और मै अच्छे कर्म करूं ।स्कूल में गायत्री मंत्र का पाठ करने को कहा जाता है तो माना जाता है कि गायत्री मंत्र का पाठ करने से मानसिक शांति,एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है ।इसे पढ़ने से स्मरण शक्ति,बुध्दि और निर्णय करने की क्षमता बेहतर होती है ।यानी छात्र किसी भी जाति धर्म का हो उसे यह फायदा होगा तो यह बुरा कैसे हो सकता है ।इसी तरह भोजन का मंत्र है, इससे भोजन के प्रति सम्मान का भाव पैदा होता है तो इसमें बुरा क्या है ।सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नया प्रयोग कर रही है और बता रही है कि इससे फायदा होगा तो इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि इससे फायदा होता है और कितना होता है ।किसी को नुकसान तो होगा नहीं फिर विरोध की क्या जरूरत है।

निष्ठा के नवीन मानदंड कितने सार्थक कितने घातक

राजीव चौबे फाउंडर राष्ट्रीय चेतना न्यूज

जिससे पहले कि आज का विषय प्रारम्भ करूँ मैं एक छोटी सी किन्तु अत्यंत प्रासंगिक भूमिका रखना चाहूँगा। अस्सी के दशक से पहले समाज के हर वर्ग में पत्रिका , उपन्यास और कॉमिक्स पढ़ने का चलन था ये वो दौर था जब सैटेलाइट टी वी चैनल्स नहीं थे ना ही इंटरनेट या ओ टी टी था उस दौर में पठन पाठन ही मनोरंजन और ज्ञानार्जन का साधन होता था। मुझे बचपन से ही पढ़ने का बहुत शौक था और अपने बचपन , किशोरावस्था और युवावस्था में मैंने अधिकतम पत्रिकाएं पढ़ी लेकिन आज मैं जिस विषय को ले रहा हूँ वो है किताबों से प्राप्त नैतिक और व्यवहारक ज्ञान का वास्तविक जीवन में प्रयोग।

बच्चों के लिए छपने वाली पत्रिकाओं का यदि मूल्यांकन किया जाए तो मैं अमर चित्र कथा को सौ में से सौ अंक दूंगा अमर चित्र कथा के हजारों संस्करणों में एक भी ऐसा नहीं जिसमे ऐतिहासिक तथ्य के साथ साथ निति , सिद्धांत और धर्म का पुट न हो। अमरचित्र कथा ने वैदिक काल से लेकर स्वतंत्र पश्चात तक के तमाम ऐतिहासिक पत्रों का परिचय मुझसे करवाया। मैं अपने सभी पाठकों से निवेदन करूँगा कि यदि आपके घर में बच्चे हैं तो उन्हें अमर चित्र कथा अनिवार्य रूप से पढ़ाएं और आप स्वयं भी पढ़ें। अपने यदि अमर चित्र कथा प्रत्येक संस्करण पढ़ डाला तो फिर अलग से इतिहास की कोई किताब पढ़ने की आवश्यकता नहीं रह जाएगी। आज निष्ठा के सन्दर्भ में महाभारत की कथा का विशेष रूप से उल्लेखित करना चाहूंगा , महाभारत का प्राथमिक और संक्षिप्त ज्ञान मुझे अमर चित्र कथा से ही मिला इसी ने मेरा परिचय महाभारत के महानायक गंगापुत्र भीष्म से करवाया।

अब आते हैं मूल विषय पर , इस लेख का मूल विषय इतना महत्वपूर्ण और विस्तृत है कि उसके लिए बड़ी भूमिका बनाना भी आवश्यक था आज का विषय है , ' निष्ठा के नवीन मानदंड कितने सार्थक कितने घातक ' । इस देश में जब जब निष्ठा की चर्चा होगी तब तब अपनी निष्ठा के लिए दृढ प्रतिज्ञाबद्ध भीष्म पितामह , द्रोणाचार्य और अंगराज कर्ण की भी चर्चा होगी। मैं हमेश कहता हूँ , पौराणिक कथाएं और इतिहास मात्र पढ़ने के विषय नहीं हैं ये गुनने के विषय हैं इन कथाओं को पढ़ने का उद्देश्य जानकारी पाना अथवा मनोरंजन मात्र नहीं होना चाहिए बल्कि इतिहास में हुई गलतियों को समझकर ये प्रयास होना चाहिए कि भविष्य में उन गलतियों की पुनरावृत्ति न हो सके आज के विषय निष्ठा के सन्दर्भ में मैं विशेष रूप से महाभारत का उल्लेख करूँगा, महाभारत के सभी पात्रों में भगवान कृष्ण के बाद अगर कोई सबसे विशाल चरित्र था तो वो गंगापुत्र भीष्म का था कुरु कुल में सर्वश्रेष्ठ ,सवर्मान्य और सवीपरि किन्तु इसी गंगा पुत्र भीष्म ने भावावेश में निष्ठा के लिए एक प्रतिज्ञा ना की होती तो महाभारत का युद्ध भी ना होता। अपने बूढ़े पिता की शादी करवाने के लिए गंगापुत्र ने आजीवन कुंवारे रहने की प्रतिज्ञा की , यहाँ तक तो ठीक था पिता की कामना पूर्ती के लिए पुत्र ने त्याग कर दिया लेकिन इसके साथ ही उन्होंने ये भी प्रतिज्ञा ले ली कि हस्तिनापुर के सिंहासन पर जो भी बैठेगा मैं उसके प्रति निष्ठावान रहूँगा गंगापुत्र भीष्म ने यहाँ अपने जीवन की सबसे बड़ी भूल की जहाँ उन्हें अपनी मातृ भूमि हस्तिनापुर के प्रति अपनी निष्ठा के लिए प्रतिज्ञाबद्ध होना था वहां उन्होंने सिंहासन पर बैठने वाले व्यक्ति के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा ले ली।

इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त अजेय युद्ध गंगापुत्र भीष्म का व्यक्तित्व इतना विशाल था की उस युग प्रत्येक पात्र उसके सामने बौना लगता था किन्तु अपनी एक गलत प्रतिज्ञा और अंध निष्ठां से बंधे भीष्म को भीम के विषपान ,लाक्षा गृह ,हस्तिनापुर के विभाजन , कपट द्युत और द्रौपदी के चीरहरण जैसी घटनाओं पर कई बार धृतराष्ट्र , शकुनि और दुर्योधन के सामने बौना होना पड़ा यदि भीष्म की निष्ठा सिंहासन पर बैठे व्यक्ति की जगह हस्तिनापुर के प्रति होती तो धृतराष्ट्र , शकुनि और दुर्योधन कभी उनके नियंत्रण से बाहर नहीं होते और न ही कभी परिवार में युद्ध की नौबत आती। वही गलती द्रोणाचार्य ने की द्रोणाचार्य दरअसल हस्तिनापुर के सेवक थे किन्तु उन्होंने स्वयं को राज सिंहासन का सेवक माना और राजा के प्रति निष्ठा का पालन किया , अंगराज कर्ण ने भी मातृभूमि ऐसे अधिक मित्र को महत्व दिया और दुर्योधन के प्रति निष्ठा का पालन किया।

गलत निष्ठा या फिर अंध निष्ठा का प्रयोग महाभारत काल के बाद से अब तक कभी थमा नहीं है आज भी अंधनिष्ठ लोग अपनी अंधी निष्ठा से समाज और राष्ट्र पर घात कर रहे हैं और सबसे बड़ी बात यह कि भीष्म की तरह ही उन्हें अपनी गलती का आभास ही नहीं है। महाभारत काल के राजशाही युग और आज के लोकशाही युग में राजनैतिक और प्रशासनिक व्यवस्थाएं बिलकुल भिन्न हैं अब सत्ता के सूत्र राजपुरुषों के हाथ में ना हो कर जनता के हाथ में हैं अब यदि लोकशाही में राजनैतिक कार्यकर्ता राष्ट्र से अधिक किसी राजनेता अथवा राजनैतिक दल के प्रति निष्ठावान हों तो ये उस राष्ट्र के हित में नहीं है किन्तु यदि राजनैतिक कार्यकर्ताओं के साथ साथ मतदाता भी किसी एक राजनैतिक दल अथवा नेता के प्रति निष्ठा पाल ले तब उस राष्ट्र की दुर्गति तय है। भारत में राजनैनिक निष्ठा के बहुत ही गलत मानदंड स्थापित किये गए हैं किसी भी राजनैतिक दल के कार्यकर्ताओं का अपनी पार्टी से या फिर अपने नेता से प्रश्न करना उसकी निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगा देता है और फिर आज के भारत में तो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी गोदी मिडिया और विरोधी मिडिया जैसे दो भागों बंट चुका है और राष्ट्र के प्रति निष्ठा को एक तरफ रख सत्ता और विपक्ष के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करने में पूरे समर्पण के साथ जुटा है , गोदी मिडिया को सरकार में कोई भी खामी ही नजर नहीं आती और विरोधी मिडिया को सरकार में कोई भी अच्छाई नजर नहीं आती अपनी अपनी निष्ठाओं से वशीभूत दोनों समूह राष्ट्र का बेड़ा गर्क करने में पूरी तत्परता से लगे हैं। अब यहाँ सबसे विचारणीय प्रश्न ये है कि राजनैतिक दल के कार्यकर्ताओं और मिडिया की निष्ठा के पीछे उनके क्षुद्र स्वार्थ हैं किन्तु जनता अर्थात मतदाता का किसी एक नेता अथवा पार्टी के प्रति निष्ठावान होना ये किसी भी राष्ट्र के लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। आज बह जब हमारे देश में चुनाव परिणामों पर चर्चा होती है तो बड़ा ही सहज विमर्श सामने आता है कि फलां पार्टी के फलां प्रतिशत वोट फिक्स हैं आज भी भारत में कुछ अपवादों को छोड़ कर लगभग सभी चुनावों में हर राजनैतिक दल का एक फिक्स्ड वोट बैंक है और सभी दलों के फिक्स्ड वोटों को जोड़ लिया जाए तो ये फिक्स्ड वोट बैंक कुल मतदान का लगभग अस्सी प्रतिशत होता है इस तरह मात्र बीस प्रतिशत मतदाता ही न्यूट्रल है जो फ्लोटिंग वोट कहलाता है , किसी भी लोकतंत्र में अस्सी प्रतिशत मतदाता का जड़ हो जाना किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। मतदान के समय मतदाता यदि पिछली सरकार के कामकाज का विश्लेषण कर उसके पक्ष में एक से अधिक बार मतदान करता है या फिर सरकार को पुनर्स्थापित करता है तब तक तो ठीक है किन्तु यदि काम काज की समीक्षा के बगैर किसी एक दल अथवा नेता के प्रति अंधी निष्ठा पाल ले तो ये लोकतंत्र की हत्या से काम नहीं है महाभारत काल में हस्तिनापुर की सत्ता में जो सामर्थ्य और प्रभाव गंगापुत्र भीष्म का था इस लोकतान्त्रिक व्यवस्था में वो सामर्थ्य और प्रभाव आम मतदाता का है इसलिए यदि किसी राष्ट्र का आम मतदाता राष्ट्र के प्रति निष्ठावान न हो कर किसी नेता के प्रति , किसी पार्टी के प्रति अंध निष्ठा पाल रहा है तो ठीक गंगापुत्र भीष्म की तरह धृतराष्ट्र , शकुनि और दुर्योधन का पोषण और रक्षण कर रहा है और समय रहते मतदाता अपनी निष्ठा को नेता से पृथक कर राष्ट्र से आबद्ध नहीं करता तो प्रत्येक अंध निष्ठ मतदाता की गति भी शर शैय्या ही होगी और जिस तरह से भीष्म की गलत निष्ठा ने ना सिर्फ भीष्म को एक अत्यंत पीड़ा दायक अंत दिया बल्कि दोनों सेनाओं के लाखों बेगुनाह सैनिकों की आहुति दे डाली उसी प्रकार अंध निष्ठावान मतदाता अपने ही राष्ट्र के करोड़ों अन्य नागरिकों के कष्टों के लिए दायी होंगे।

चीन और ईरान के बीच सैन्य संबंध

विकल्प नंदा
(तिब्बत एवं चीन के विदेशी संबंधों के विशेषज्ञ)

चीन और ईरान के बीच सैन्य और रणनीतिक संबंध हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में रहे हैं। 2026 में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच शुरू हुए संघर्ष के दौरान इन संबंधों ने एक नया और संवेदनशील मोड़ लिया है। चीन ने आधिकारिक तौर पर इस संघर्ष में तटस्थता बनाए रखने और कूटनीतिक मध्यस्थता पर जोर देने की नीति अपनाई है, लेकिन जमीन पर स्थिति अधिक जटिल दिखाई देती है।

सैन्य और खुफिया सहयोग के आरोप

फरवरी 2026 में संघर्ष की शुरुआत के बाद से, कई रिपोर्टों और खुफिया आकलन में यह संकेत मिले हैं कि चीन की कंपनियां ईरान को 'दोहरे उपयोग' वाली तकनीकें प्रदान कर रही हैं। इसमें रडार सिस्टम, नेविगेशन उपकरण और मिसाइल पुर्जे शामिल हैं, जो ईरान की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुए हैं।

सैन्य और खुफिया सहयोग

फरवरी 2026 में संघर्ष की शुरुआत के बाद से, कई रिपोर्टों और खुफिया आकलन में यह संकेत मिले हैं कि चीन की कंपनियां ईरान को 'दोहरे उपयोग' वाली तकनीकें प्रदान कर रही हैं। इसमें मिसाइल पुर्जे शामिल हैं।

इसके अलावा, अमेरिकी खुफिया स्रोतों ने आरोप लगाया है कि चीन की कंपनियां ईरान को भू-स्थानिक खुफिया जानकारी भी प्रदान कर रही हैं, जिसका उपयोग ईरान अपनी रक्षात्मक तैयारियों के लिए कर रहा है ।अप्रैल 2026 में, ऐसी खबरें सामने आई कि चीन ईरान को मैन-पोर्टेबल एयर-डिफेंस सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है, हालांकि बीजिंग ने इन दावों को "आधारहीन" बताते हुए दृढ़ता से खारिज कर दिया। चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि वे सैन्य निर्यात के मामले में बहुत ही जिम्मेदार अपनाते हैं।

आर्थिक आधार और रणनीतिक विवशता

चीन और ईरान के बीच सैन्य सहयोग का एक गहरा आर्थिक आधार भी है। वर्ष 2021 में हस्ताक्षरित 25-वर्षीय रणनीतिक सहयोग समझौता दोनों देशों के संबंधों की धुरी है। इसके तहत, चीन ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जो ईरान के तेल निर्यात का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा खरीदता है। आने वाले समय में, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि चीन अपनी कूटनीतिक सक्रियता को और बढ़ाता है या ईरान के साथ अपने संबंधों को केवल आर्थिक दायरे तक ही सीमित रखता है।

कविता का कोना

समुद्र जाने कब से
मेरे भीतर ज्वार की तरह
उठता रहा है।
मैं जहाँ भी रही,
उसकी आवाज
मेरे भीतर कहीं गूँजती रही—
लगातारङ्ग
जैसे कोई अधूरा स्वप्न
बार-बार आँखों तक चला
आता हो।
कल्पनाओं में हमेशा
एक खिड़की खुलती थी—
उसके उस पार
अनगिन लहरें थीं,
हवा में घुली नमक की गंध थी,
और हाथों में थमी कॉफी के साथ
मैं देर तक
उन लहरों का आना-जाना देखा
करती थी।
कभी मन चाहता
नंगे पाँव भागूँ
उन लहरों के पीछे
जो हर बार छूकर लौट जाती हैं,
और कभी यूँ लगता
जैसे स्वयं को
उसी अथाह जल में घोल दूँ—
बिना किसी भय,
बिना किसी किनारे की चाह के।

आज वह क्षण
सच होकर सामने खड़ा है।
वही शोर,
वही हवा,
वही बेचैन करती नमी,
और वही मैं—
जो वर्षों से
अपने भीतर इस दृश्य को सँजोए
बैठी थी।

अजीब है न,
कुछ सपने पूरे होकर भी
नए नहीं लगतेङ्ग
वे ऐसे लगते हैं
जैसे आत्मा उन्हें
बहुत पहले ही जी चुकी हो।

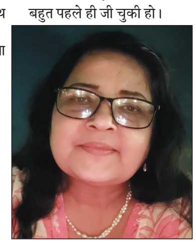

-अमृता मिश्रा शिक्षिका
दिल्ली पब्लिक स्कूल रिसाली, भिलाई

एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का हरित संकल्प है वन महोत्सव

योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति में वन केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं बल्कि जीवन, समृद्धि और सभ्यता के आधार माने गए हैं। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जैव विविधता संकट के दौर में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला ह्यवन महोत्सवद्ध पर्यावरण संरक्षण का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। बढ़ते तापमान, घटते वन और गहराते जलवायु संकट के बीच वन महोत्सव पृथ्वी और मानव सभ्यता के भविष्य को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय अभियान है।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला वन महोत्सव केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं है बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में यदि वतर्मान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविधता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण बढ़कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं।

वहीं वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है।

हालांकि इन उपलब्धियों के साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हरित आवरण में हुई वृद्धि का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक सघन वनों के बजाय खुले वनों तथा व्यावसायिक वृक्षारोपण के कारण हुआ है। प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि हजारों वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, सूक्ष्मजीवों और जल स्रोतों का जटिल पारिस्थितिकी तंत्र होते हैं। इनका स्थान कृत्रिम पौधारोपण कभी नहीं ले सकता। विशेष चिंता का विषय पूर्वोत्तर भारत है, जहां सड़क निर्माण, जलविद्युत परियोजनाओं, झूम खेती, भूस्खलन तथा अन्य विकास गतिविधियों के कारण कई क्षेत्रों में वन क्षेत्र में कमी दर्ज की गई है। अपनी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंद्ध में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि वनों के क्षरण का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसका सीधा असर वन्यजीवों और मानव जीवन पर पड़ता है। प्राकृतिक आवास नष्ट होने से हाथी, बाघ, तेंदुए और अन्य वन्यजीव भोजन एवं पानी की तलाश में मानव बस्तियों की ओर आने लगे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। दूसरी ओर विकास परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के बाद प्रतिपूरक वृक्षारोपण तो किया जाता है लेकिन पौधों की देखभाल, सिंचाई और संरक्षण की अनदेखी के कारण उनमें से अधिकांश जीवित नहीं रह पाते। केवल पौधे लगा देना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना ही वास्तविक सफलता है।

आज वन मानव स्वास्थ्य के सबसे बड़े संरक्षक बन चुके हैं। वायु प्रदूषण, जल संकट और भूमि के मरुस्थलीकरण जैसी समस्याओं का सबसे प्रभावी और किफायती समाधान वृक्ष ही हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा करते हैं, ऑक्सीजन उपलब्ध कराते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं, भूजल स्तर बनाए रखते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण कैंसर, हृदय रोग, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। साथ ही, अनियमित मानसून, भीषण हीटवेव, सूखा, क्लाउडबर्स्ट और जंगलों में आग जैसी घटनाएं स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इस संकट से निपटने के लिए भारत ने वर्ष 2030 तक अतिरिक्त 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर कार्बन सिंक विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें वनों की भूमिका निर्णायक होगी।

बहरहाल, वन महोत्सव का वास्तविक संदेश केवल एक सप्ताह भर लाखों पौधे लगाने तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी सफलता इस बात में निहित है कि स्थानीय जलवायु के अनुरूप नीम, पीपल, बरगद, बेल, जामुन, अर्जुन और अन्य देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए तथा प्रत्येक पौधे की कम से कम तीन वर्षों तक नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए। जब तक वृक्षारोपण को जनभागीदारी और जन-जिम्मेदारी का अभियान नहीं बनाया जाएगा, तब तक हरित भारत का सपना अधूरा रहेगा। विकास और पर्यावरण परस्पर विरोधी नहीं बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। आर्थिक प्रगति, आधुनिक तकनीक और अवसंरचनात्मक विकास आवश्यक हैं किंतु वे स्वच्छ वायु, शुद्ध जल और संतुलित जलवायु का विकल्प नहीं बन सकते। यदि वन सुरक्षित रहेंगे तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल समृद्ध होगा, जैव विविधता संरक्षित रहेगी और मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए वन महोत्सव केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व और राष्ट्रीय आंदोलन बनना चाहिए। आज आवश्यकता केवल वृक्ष लगाने की नहीं बल्कि उन्हें बचाने की है क्योंकि आने वाली पीढ़ियां हमसे विकास की ऊंची इमारतें नहीं बल्कि सांस लेने योग्य स्वच्छ पृथ्वी की विरासत चाहेंगी।

2036 ओलंपिक के लिए भारत का रोडमैप तैयार, नए चयन नियमों के साथ आगे बढ़ेगी दावेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नई मेजबान चयन प्रक्रिया को लेकर भी आश्वस्त नजर आ रहा है। भारतीय पक्ष का कहना है कि वह विभिन्न माध्यमों से आईओसी के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखेगा।भारत ने 2024 में अहमदाबाद में 2036 ओलंपिक आयोजित करने की मंशा जताते हुए आईओसी को औपचारिक 'लेटर ऑफ इंटेंट' सौंपा था। हालांकि, 2025 में आईओसी की नई अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री ने मेजबान चयन प्रक्रिया की समीक्षा के लिए एक कार्य समूह गठित किया, जिसके बाद पूरी प्रक्रिया को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।

हाल ही में आईओसी सत्र में नई चयन प्रक्रिया को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 2036 ओलंपिक के मेजबान का फैसला वर्ष 2029 के मध्य में किया जाएगा। भारत की ओर से इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) गुजरात सरकार के सहयोग से करेगा।

विभिन्न माध्यमों से मजबूत करेगा दावा

एक वरिष्ठ सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि सरकार सीधे आईओसी सदस्यों से संपर्क नहीं कर सकती, लेकिन कई अन्य माध्यम मौजूद हैं, जिनके जरिए भारत अपने दावे को मजबूत करेगा। हालांकि उन्होंने इन माध्यमों का खुलासा नहीं किया।

मानसून सत्र में पेश होगा संशोधित राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग बिल

केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में संशोधित राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इस संशोधन का उद्देश्य खिलाड़ियों तक प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी और आपूर्ति करने वालों के खिलाफ कड़े कानूनी प्रावधान लागू करना है।

पांच साल तक की जेल का प्रावधान

संशोधित बिल में खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ उपलब्ध कराने या उनकी तस्करी करने वालों के लिए अधिकतम पांच साल की जेल का प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं, यदि कोई डॉक्टर या चिकित्सा विशेषज्ञ जानबूझकर प्रतिबंधित दवाएं लिखता है, तो उसे भी इस कानून के दायरे में लाया जाएगा। इस संशोधित विधेयक पर 18 जून तक सार्वजनिक सुझाव मांगे गए थे और अब परामर्श प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा, जिसमें इसे पेश किए जाने की संभावना है।

सरकार क्यों ला रही है यह संशोधन?

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया लगातार यह कहते रहे हैं कि प्रतिबंधित दवाओं की संगठित आपूर्ति को अपराध घोषित करना समय की जरूरत है। पिछले तीन वर्षों से भारत विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) की डोपिंग उल्लंघन करने वाले देशों की सूची में शीर्ष पर रहा है। इसी तरह का प्रस्ताव 2018 में भी लाया गया था, जिसमें दोषियों के लिए चार साल की जेल और दो लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान था। हालांकि, 2022 में पारित कानून से इन प्रावधानों को हटा दिया गया था, क्योंकि सरकार ने उस समय दंडात्मक कानून की बजाय रोकथाम आधारित कानून को प्राथमिकता दी थी। अब संशोधित बिल के जरिए फिर से कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू करने की तैयारी की जा रही है।

रोनाल्डो ने नॉकआउट में किया पहला गोल

- पुर्तगाल ने क्रोएशिया को हरा प्री क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

दूसरे हाफ में मिली पेनल्टी

पुर्तगाल को दूसरे हाफ में पेनल्टी मिली, जब कॉर्नर किक के दौरान डिफेंडर रेनाटो वेइगा धक्का लगने के कारण गिर गए। रोनाल्डो ने पेनल्टी किक ली और इवान पेरिसिक के शुरुआती गोल के बाद अपनी टीम का स्कोर क्रोशिया के बराबर कर दिया।

नई दिल्ली। पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शुक्रवार को क्रोशिया के खिलाफ गोल करके इतिहास रच दिया। वह फीफा विश्व कप के नॉक आउट मैच में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। रोनाल्डो ने राउंड ऑफ 32 में क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी को गोल में बदला। यह उनका फीफा विश्व कप के नॉकआउट मैच में पहला गोल था। 41 साल और 147 दिन की उम्र में रोनाल्डो 40 साल की उम्र पार करने के बाद फीफा विश्व कप के नॉकआउट मैच में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी भी बने। इससे पहले यह रिकॉर्ड उनके पूर्व साथी खिलाड़ी पेपे के नाम था, जिन्होंने 2022 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 39 साल और 283 दिन की उम्र में गोल किया था।

रामोस ने दूसरा गोल दागा

पुर्तगाल के लिए गोंकालो रामोस ने दूसरा गोल दागा। मैच के आखिरी मिनटों में एक बार फिर नाटकीय मोड़ आया जब जोस्को ग्वार्डियोल के एक गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। पेरिसिक के पास पर इगोर मातानोविक ने गेंद को मारियो पासालिक की ओर बढ़ाया। गेंद मिडफील्डर के नियंत्रण से बाहर हो गई, लेकिन ग्वार्डियोल ने मौके का फायदा उठाते हुए उसे नेट में डाल दिया। हालांकि, वीएआर ने फैसला सुनाया कि मातानोविक ने पासालिक के ऑफसाइड पोजीशन में होने पर ही गेंद को छुआ था और गोल को अमान्य कर दिया गया।

रोनाल्डो ने गोल अमान्य होने के बाद किया गोल

इससे पहले रोनाल्डो का एक गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने एक हवाई पास को अपने नियंत्रण में लेकर क्रोएशियाई गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविक के ऊपर से गेंद मारकर के गोल कर दिया था। हालांकि, जश्न ज्यादा देर तक नहीं चला क्योंकि ऑफसाइड दे दिया गया। पहली नजर में रोनाल्डो ऑनसाइड लग रहे थे, लेकिन रिप्ले में पता चला कि उनका कंधा ऑफसाइड पोजीशन में था।

एम्बाप्पे नंबर 1

लियोनल मेसी दूसरे पर

- हालैंड-हैरी केन भी रेस में; FIFA World Cup 2026 में अब तक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का राउंड ऑफ 32 जारी है और राउंड ऑफ 16 के लिए 10 टीमें पक्की हो चुकी हैं। 48 में से 26 टीमें अब तक टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। टॉप स्कोरर्स की बात करें तो फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे लिस्ट में नंबर 1 पर हैं। जबकि बराबर गोल करने के बावजूद लियोनल मेसी नंबर दो पर काबिज हैं।

वहीं नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी एर्लिंग हालैंड और इंग्लैंड के धाकड़ स्ट्राइकर हैरी केन के बराबर 5-5 गोल हैं। यह दोनों खिलाड़ी भी अभी तक गोल्डन बूट की रेस में एम्बाप्पे और मेसी को कांटे की टक्कर दे रहे हैं। 2022 के गोल्डन बूट विनर किलियन एम्बाप्पे अभी तक 6 गोल और दो असिस्ट के साथ लिस्ट में नंबर 1 पर काबिज हैं।

डीआर कांगो के कोच देसाब्रे को लगा एक और बड़ा झटका

- प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिली पिता के निधन की खबर

अटलांटा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ राउंड ऑफ 32 में मिली हार के कुछ ही घंटों बाद कांगो डीआर के हेड कोच सेबेस्टियन देसाब्रे को निजी तौर पर एक और बड़ा झटका लगा है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्हें अपने पिता के निधन की खबर मिली, जिसके बाद माहौल बेहद भावुक हो गया और प्रेस कॉन्फ्रेंस तुरंत समाप्त कर दी गई। नॉकआउट मुकाबले में डीआर कांगो ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और शुरुआत में बेहतरीन खेल दिखाया। मैच के सातवें मिनट में ब्रायन सिपेंगा ने अपना पहला इंटरनेशनल गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने पहले बराबरी का गोल किया।

धोनी से की तुलना

विंबलडन देखने पहुंचीं दीप्ति शर्मा जोकोविच की जमकर की तारीफ

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच के बीच एक दिलचस्प तुलना की है। उन्होंने कहा कि खेल की दुनिया के इन दोनों दिग्गजों में सबसे मुश्किल हालात में भी शांत और संयमित रहने की खास काबिलियत है।

पहली बार विंबलडन देखने पहुंचीं दीप्ति ने बताया कि कैसे धोनी भी जोकोविच की तरह ही दबाव को शांति से संभालते हैं। दीप्ति ने जियो हॉटस्टार से कहा, 'जब आप जोकोविच की बात करते हैं, तो हर कोई उनकी मानसिक मजबूती की चर्चा करता है। वे ऐसे खिलाड़ी हैं जो हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों, कभी हार नहीं मानते। मुझे लगता है कि क्रिकेट में एमएस धोनी सर भी बिल्कुल ऐसे ही हैं। वे बहुत शांत और संयमित रहने के लिए जाने जाते हैं। जब भी दबाव वाले हालात आते हैं, तो वे उन्हें बहुत अच्छे से संभालते हैं। कभी ऐसा नहीं लगता कि वे किसी मुश्किल स्थिति में हैं। वे दबाव को बहुत आसानी से संभाल लेते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'जोकोविच और धोनी, दोनों में सबसे अहम मौकों पर शांत और मजबूत बने रहने की खास खूबी है। उन्हें देखकर हम सीखते हैं कि कैसे शांत रहा जाए और मुश्किल हालात से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढा जाए।' भारतीय ऑलराउंडर ने यह भी बताया कि विंबलडन मैच को सामने से देखना उनकी बरसों पुरानी इच्छा थी।

जोकोविच को बताया पसंदीदा खिलाड़ी

दीप्ति ने जोकोविच को अपना पसंदीदा खिलाड़ी भी बताया और सर्बियाई खिलाड़ी के जुझारूपन और प्रतिस्पर्धी जज्बे की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मेरे पसंदीदा खिलाड़ी जोकोविच हैं। मैं उनके खेल को बहुत करीब से फॉलो करती हूं। कोर्ट पर जिस तरह से वे लड़ते हैं, उनकी मानसिक मजबूती और कभी हार न मानने वाला रवैया मुझे ये सब बहुत पसंद है। उन्हें खेलते हुए देखना हमेशा प्रेरणादायक होता है।' दीप्ति ने कहा, 'मैं फेडरर और नडाल जैसे महान खिलाड़ियों को देखते हुए बड़ी हुई हूं।

स्पेन की एकतरफा जीत, ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर पार की नॉकआउट की बाधा

लॉस एंजिलिस। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 के मुकाबले में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मिकेल ओयरजाबल ने दो गोल दागे, जबकि पेड्रो पोरो ने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब स्पेन का सामना छह जुलाई को डलास में पुर्तगाल और क्रोएशिया के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले ही मिनट में लामिन यमल ने गोल पर शॉट लगाकर ऑस्ट्रिया के डिफेंस को सतर्क कर दिया। इसके बाद स्पेन लगातार हमले करता रहा। मार्क कुकुरेला ने कॉर्नर पर गेंद को गोल में पहुंचाया, लेकिन गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर पर फाउल के कारण रेफरी ने गोल रद्द कर दिया। 36वें मिनट में कुकुरेला के शानदार लो-क्रॉस पर मिकेल ओयरजाबल ने फर्स्ट-टच फिनिश के साथ गेंद को नेट में पहुंचाकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के अंत तक एलेक्स बाएना की फ्री-किक क्रॉसबार से टकराई, जबकि यमल के एक और प्रयास को श्लेगर ने शानदार बचाव से रोक दिया।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ऑस्ट्रिया ने वापसी की कोशिश की। 61वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी सासा कालाज्जिच को हेडर से गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को गोलपोस्ट के अंदर नहीं रख सके। इसके बाद स्पेन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 66वें मिनट में एलेक्स बाएना के सटीक क्रॉस पर पेड्रो पोरो ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

इंटर-स्कूल फुटबॉल को बढ़ावा

ओरिएंटल कप 2026 में ट्रॉफी के साथ छात्रवृत्ति भी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के इंटर-स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट ओरिएंटल कप ने इस बार युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। चौथे संस्करण में पहली बार 10 छात्र-खिलाड़ियों के लिए 2.5 लाख रुपये की छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है। इसके साथ ही टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि भी दोगुने से अधिक बढ़ा दी गई है। सात से 16 जुलाई तक नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट में 45 से अधिक स्कूलों की टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट में करीब 1500 खिलाड़ियों के मैदान में उतरने की उम्मीद है। छात्रवृत्ति शुरू करने का उद्देश्य केवल विजेता टीमों को सम्मानित करना नहीं, बल्कि उन खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ाना है जिनमें भविष्य की संभावनाएं हैं। टूर्नामेंट के बाद भी युवा खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलना जारी रखने के लिए बढ़ावा मिले। ओरिएंटल कप के संस्थापक फरीद बख्शी ने जनसत्ता को बताया कि टूर्नामेंट का मकसद हर साल युवा खिलाड़ियों के लिए नए अवसर तैयार करना है। उनके अनुसार, छात्रवृत्ति योजना शुरू करने का फैसला प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने की सोच का हिस्सा है। इस बार लड़कियों की भागीदारी भी बढ़ी है। पहले संस्करण की तुलना में टीमों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। अब हिस्सा लेने वाली कुल टीमों में करीब 40 प्रतिशत लड़कियों की टीमें हैं।

ICC की आलोचना करना पड़ा भारी!

- इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटरें केट क्रास- एलेक्स हार्टले को मिली जान से मारने की धमकियां

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल शेड्यूल पर सवाल उठाना इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटरों केट क्रॉस और एलेक्स हार्टले को भारी पड़ गया। दोनों ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम पर अपनी राय रखी थी, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर न सिर्फ जमकर ट्रोल किया गया, बल्कि जान से मारने की धमकियां भी मिलीं। हालांकि बाद में केट क्रॉस ने स्पष्ट किया कि उनकी आलोचना भारत नहीं, बल्कि आईसीसी की शेड्यूलिंग प्रक्रिया को लेकर थी। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर केट क्रॉस ने महिला टी20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल को लेकर आईसीसी की व्यवस्थाओं को 'बेतुका' बताया था। केट क्रास ने बताया कि उन्हें ऑनलाइन जान से मारने की धमकियां और गालियां मिली हैं। एलेक्स हार्टले ने 'नो बॉल्स : द क्रिकेट पॉडकास्ट' के हालिया एपिसोड में कहा, ''हमें ऑनलाइन जान से मारने की धमकियां और गालियां मिल रही हैं।'' वह क्रॉस के साथ मिलकर इस पॉडकास्ट को होस्ट करती हैं।

केट क्रॉस ने कहा, ''आज सुबह जब मैं उठी और मैंने आईसीसी के सेमी-फाइनल शेड्यूल के बारे में पोस्ट किया तो उस इंस्टाग्राम पोस्ट पर 450 कमेंट्स आ चुके थे। आम तौर पर हमें हर पोस्ट पर 30 कमेंट्स मिलते हैं। थोड़ी उलझन है क्योंकि हमने जो कहा- उसके लिए जान से मारने की धमकियां और गालियां मिलना सही नहीं है।'' वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल इस हफ्ते मंगलवार और गुरुवार को होने हैं। गुरुवार को होने वाले नॉकआउट मुकाबले में ग्रुप ए की टॉप टीम का सामना ग्रुप बी की दूसरी टीम से होना था, लेकिन मामला इसके उलट था। हालांकि, नियम यह भी था कि अगर भारत सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करता तो वह मंगलवार को ग्रुप ए की टॉप टीम के खिलाफ सेमीफाइनल खेलता। इस शर्त की पॉडकास्ट करने वाली जोड़ी ने आलोचना की थी। एलेक्स हार्टले ने कहा, ''मैंने असल में आईसीसी में किसी से बात करके सारी बातें साफ की हैं। आईसीसी ने कहा- हम साफ करना चाहते हैं कि इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है और यह रात में दर्शकों की संख्या और दुनिया भर में इसे देखने वालों की संख्या दोनों को बढ़ाने के लिए किया गया है। तो मेरा मतलब यह है कि 6:30 बजे का समय रात के दर्शकों के लिए है।''

केट क्रास ने कहा, ''लगता है कि हमने यह बात साफ कर दी है। उन सभी का शुक्रिया जिन्होंने हमसे संपर्क किया और हमारा साथ दिया। उन सभी (मैसेजों) को पढ़ना बहुत अच्छा लगा। यह अजीब है, है ना? हमने इस प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया के बारे में बहुत बात की है, लेकिन आइए थोड़ा और दयालु बनें। जैसे, मैं एक क्रिकेट टीम के तौर पर भारत की बुराई नहीं कर रही थी।''

केट क्रास ने कहा, ''मैं बस यह कह रही थी कि मुझे नहीं लगता कि कोई टूर्नामेंट इस बात पर आधारित होना चाहिए कि कोई क्रिकेट टीम सेमी-फाइनल में पहुंचेगी या नहीं। पता चला कि वह बात वैसे भी सही नहीं थी। जिस व्यक्ति ने हमारी बात को कोट किया अगर आप हमें कोट करने जा रहे हैं तो वही कोट करें जो हमने कहा है न कि वह जो आपको लगता है कि हमने कहा है। लोगों ने अपनी समझ के हिसाब से इसका मतलब निकाला है।''

'काश मुझे मारा न होता', विक्रांत मैसी ने 'मिर्जापुर' से बाहर होने पर जताया दुख

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुर : द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता।

जब 'मिर्जापुर : द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।'

'मिर्जापुर' के पहले सीजन का हिस्सा थे विक्रांत

इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।

क्या ट्रेंड को फॉलो नहीं करतीं अनन्या पांडे

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।

अपने लिए सही चीजें चुनती हैं अनन्या

'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'

अनन्या का काम

अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं।

नई पीढ़ी से अपील

अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अच्छी कहानी ही तय करती है फिल्म की सफलता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं। असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। आईएएनएस ने जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''

राजकुमार हिरानी ने बताया कैसे 'प्रीतम एंड पेड्रो' में बेटे वीर को मिला रोल

फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी साइबरक्राइम कॉमेडी-ड्रामा 'प्रीतम एंड पेड्रो' के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं। यह सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि इससे उनके बेटे वीर हिरानी एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। लेकिन आम स्टार-किड्स की तरह वीर के लिए यह रोल पाना आसान नहीं था। उनके पिता ने शुरू से ही साफ कर दिया था कि कोई शॉर्टकट या खास रियायत नहीं मिलेगी।

कहानी लिखते समय वीर का नाम दिमाग में नहीं था

बातचीत में राजकुमार हिरानी ने कहा कि जब यह सीरीज शुरू में बन रही थी, तब उनके बेटे का नाम कास्टिंग के लिए नहीं सोचा गया था। जब हमने लिखना शुरू किया, तो न तो अरशद और न ही वीर का नाम जहन में था। लिखते समय आप कास्ट के बारे में नहीं सोचना चाहते क्योंकि इससे आप अटक सकते हैं। उस समय वीर लंदन की रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट में अपनी ट्रेनिंग पूरी कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने उससे कहा था कि ड्रामा स्कूल से वापस आओ, थिएटर करो और दिलचस्प काम करके एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाओ। घर और ऑफिस में कास्टिंग पर हो रही बातचीत को देखने के बाद ही वीर ने इस रोल में दिलचस्पी दिखाई। लेकिन उनके पिता ने तुरंत कुछ नियम तय कर दिए।

मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता

राजकुमार हिरानी ने बताया कि मैंने वीर से कहा कि अगर तुम इसके लिए ऑडिशन देना चाहते हो, तो दो। अविनाश अरुण से मिलो। उन्हें मनाओ क्योंकि वही इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता। भले ही यह मेरी सीरीज हो, तुम्हें ऑडिशन देना ही होगा। यह मत सोचना कि सिर्फ मेरे बेटे होने की वजह से तुम्हें यह रोल मिल जाएगा। वीर ने इस प्रोसेस को गंभीरता से लिया। कहा जाता है कि वह हर रात एक दोस्त के साथ सीन की रिहर्सल करते थे, कई ऑडिशन टेप रिकॉर्ड करते थे और सिर्फ सबसे अच्छे टेप ही मेकर्स को भेजते थे। उन्हें यह रोल पूरी तरह से अपनी काबिलियत के दम पर मिला।

बहन करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर खान अपनी बड़ी बहन करिश्मा कपूर से बेहद प्यार करती हैं और उनका बहुत सम्मान करती हैं। एक पुराने टॉक शो 'जीना इसी का नाम है' में करीना ने दिल खोलकर करिश्मा की तारीफ की थी। एक खबर के अनुसार, करीना ने शो 'जीना इसी का नाम है' में बताया कि वह हर मामले में करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं। इसके साथ ही करीना ने कहा कि वह हमेशा उनकी तरह बनने की कोशिश करती हैं। उन्हें करिश्मा का आत्मविश्वास और बात करने का तरीका बेहद पसंद है।

करीना ने करिश्मा के लिए एक प्यारा सा वीडियो मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने कहा, 'आपमें ऐसी बहुत सी बातें हैं, जो मुझे बहुत पसंद हैं। आज के समय में ऐसी लड़कियां बहुत कम होती हैं, जो इतनी समझदार हों और जिन्हें पता हो कि लाइफ में क्या करना है।' करीना ने आगे कहा, 'मैं हर तरह से आपके जैसी बनना चाहती हूं और इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रही हूं। मेरे साथ हमेशा खड़े रहने और मेरी ताकत बनने के लिए शुक्रिया, क्योंकि आपके बिना मैं एक मिनट भी नहीं रह सकती।'

शो 'जीना इसी का नाम है' के दौरान होस्ट फारूक शेख ने दोनों बहनों का बचपन का एक पुराना वीडियो भी दिखाया। इस वीडियो में करिश्मा बड़े प्यार से अपनी छोटी बहन करीना को खाना खिलाती नजर आ रही थीं। इस वीडियो को देखकर दोनों भावुक हो गईं।

'जूही मुई' में अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं ईशा सिंह

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''

भिलाई नगर निगम ने अतिक्रमण प्रभावित 7 परिवारों को दिए अस्थायी आवास

लॉटरी से हुआ आबंटन, स्थायी घर बनने तक मिलेगी सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / 00000

नगर पालिक निगम भिलाई ने अवैध अतिक्रमण हटाने के साथ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की जिम्मेदारी भी निभाई है। शुक्रवार को निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रभावित 7 परिवारों को अस्थायी आवास लॉटरी के माध्यम से आबंटित किए गए।

हाल ही में उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश पर निगम ने अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई की थी। जिस भूमि से अतिक्रमण हटाया गया, उसी स्थान पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण के लिए शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। निर्माण पूरा होने तक प्रभावित परिवारों को परेशानी न हो, इसके लिए उन्हें अस्थायी आवास दिए गए हैं।

कार्यक्रम में विधायक रिकेश सेन ने कहा कि सरकार और निगम का उद्देश्य सिर्फ अतिक्रमण हटाना नहीं, बल्कि पात्र जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक आवास देना भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही इन परिवारों को स्थायी आवास मिलेंगे।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि पारदशिर्ता के लिए लॉटरी प्रणाली से आबंटन किया गया है। निर्माण कार्य को तेजी से पूरा कराया जाएगा ताकि परिवार जल्द अपने स्थायी घरों में प्रवेश कर सकें।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उपायुक्त दिनेश कोसरिया, अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, उप अभियंता दीपक देवांगन, पार्षद गिरजा बंछोर, सरिता देवी और आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन उपस्थित थे।

खास खबर

चिखली पुलिस ने अशांति फैलाने वाले बदमाश के खिलाफ की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

धारा 170 BNS के तहत न्यायालय में पेश किया गया

पुलिस चौकी चिखली ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में एक बदमाश के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पयर्वेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को सूचना मिली थी कि शांतिनगर गली नंबर 1 निवासी हरिश पटेल विवाद कर क्षेत्र में अशांति फैला रहा है और अप्रिय घटना की संभावना है।

पुलिस ने आरोपी हरिश पटेल पिता स्व. पीलाराम पटेल, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम कोनारी थाना डोंगरगांव, हाल निवासी शांतिनगर गली नं. 1 पुलिस चौकी चिखली के खिलाफ धारा 170, 126, 135(3) इठर के तहत कार्रवाई की। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और नशा मुक्ति के लिए असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, मप्रआर वंदना पटले, आरक्षक चन्द्रकपूर आयाम, सुनील बैरागी, आदित्य सोलंकी और गोपाल पैकरा की सराहनीय भूमिका रही।

लालबाग पुलिस ने छेड़छाड़ के आरोपी को किया गिरफ्तार, सुबह सीढ़ी पर युवती से की थी अश्लील हरकत

राजनांदगांव। थाना लालबाग पुलिस ने छेड़छाड़ करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 4 जुलाई की सुबह करीब 4:30 बजे पीड़िता घर की सीढ़ी पर थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे "बात करना है" कहकर बुलाया और बुरी नियत से हाथ पकड़कर अश्लील हरकत करने का प्रयास किया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। आरोपी हमिद खान पिता गुलशेर खान, उम्र 43 वर्ष, निवासी ब्लॉक नंबर 21 अटल आवास पेंडरी, थाना लालबाग राजनांदगांव को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ धारा 74 BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

तुमडीबोड़ पुलिस ने बिना बताए हैदराबाद जा रही युवती को बस से उतारकर परिजनों को सौंपा, पुलिस की सतकर्ता से टली बड़ी अनहोनी

राजनांदगांव। पुलिस चौकी तुमडीबोड़ ने घर से बिना बताए हैदराबाद जा रही भिलाई की एक युवती को बीच रास्ते से सुरक्षित बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार चौकी को सूचना मिली थी कि भिलाई निवासी एक युवती परिजनों को बताए बिना आशीर्वाद ट्रेवल्स बस क्रमांक CG 08 BF 0990 से हैदराबाद के लिए रवाना हुई है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी धनीराम नारंगे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए बस की जानकारी ली और तुमडीबोड़ क्षेत्र में बस को रुकवाकर युवती को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया।

पूछताछ और आवश्यक समझाइश के बाद युवती के परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों के चौकी पहुंचने पर वैधानिक कार्रवाई पूरी कर युवती को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पयर्वेक्षण में चलाए जा रहे गुमशुदा व्यक्तियों की त्वरित तलाश अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

पहली बारिश में नगर निगम की खुली पोल, घरों और मोहल्लों में तीन फीट तक भरा पानी

अधिकारियों से तत्काल राहत कार्य के दिए निर्देश अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि कल रात से लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के अनेक क्षेत्रों में जलभराव और अन्य समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहली ही बारिश में नगर निगम की तैयारियों की पोल खुल गई। कई स्थानों पर घरों और मोहल्लों में लगभग तीन फीट तक पानी भर गया, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया।

इसी क्रम में अरुण वोरा ने आज सुबह से नगर निगम के अधिकारियों के साथ उरला वार्ड क्रमांक 57, राम नगर, आईएचएसडीपी कॉलोनी, साईं नगर, शंकर नगर सहित कई प्रभावित इलाकों का दौरा कर जलभराव, नालियों की स्थिति एवं नागरिकों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम आयुक्त एवं कलेक्टर से भी चर्चा कर जल निकासी, नालों की सफाई तथा आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मोह. शरीफ खान, दुर्ग जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष विकास सापेकर एवं कांग्रेस नेता सुधीर चंदेल भी उपस्थित रहे। सभी ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान की मांग की।

अरुण वोरा ने कहा कि उरला वार्ड क्रमांक 57, राम नगर, आईएचएसडीपी कॉलोनी, साईं नगर, शंकर नगर सहित शहर के कई इलाकों में जलभराव के कारण लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाने, जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

सिटी कोतवाली पुलिस ने चाकूबाजी के आरोपी जीजा को किया गिरफ्तार

तलाक के विवाद में साला पर किया था हमला, भेजा गया जेल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सिटी कोतवाली पुलिस ने रात्रि में घर में घुसकर साला पर चाकू से हमला करने वाले जीजा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी ने 3 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी बहन की शादी 2018 में भिलाई निवासी राजेन्द्र बेनसा से हुई थी। आरोपी अक्सर बहन से मारपीट करता था, जिसके कारण वह मायके में रह रही है और न्यायालय में तलाक का मामला चल रहा है।

3 जुलाई की रात करीब 3:30 बजे आरोपी राजेन्द्र बेनसा बाजू के घर की छत से कूदकर प्रार्थी के कमरे में घुसा और धारदार चाकू से उसके बाएं घुटने पर वार कर दिया। शोर सुनकर साथ में सो रहा आशीष शेण्डे जागा तो आरोपी गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। इस पर कोतवाली में अपराध क्रमांक 330/26 धारा 296, 351(2), 333 इठर के तहत मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेण्डर किरों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में टीम ने आरोपी की पतासाजी की। आज आरोपी राजेन्द्र बेनसा पिता लखन लाल बेनसा, उम्र 36 वर्ष, निवासी रूआबांधा बस्ती बजरंग चौक भिलाई, थाना भिलाई नगर सेक्टर-6 जिला दुर्ग को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लोहे का धारदार चाकू भी जब्त कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी भिलाई नगर का लिस्टेड गुंडा बदमाश है। इसके खिलाफ पहले से धारा 307 भादवि और धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज हैं।

इस कार्रवाई में निरीक्षक उपेन्द्र कुमार साहू, सउनि इसराफिल खान, आरक्षक लिलेन्द्र पटेल, श्रीनिवास राव और प्रकाश कुर्रे की सराहनीय भूमिका रही।

गुढ़ियारी पुलिस ने पकड़ा शातिर बाइक चोर 'टार्ज़न'

चोरी की 4 दोपहिया जब्त, 1.60 लाख का मशरूका बरामद

रायपुर। कमिश्नरेट नॉर्थ जोन की गुढ़ियारी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की 4 बाइकें जब्त की गई हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.60 लाख रुपये है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी अनुप दुबे ने 9 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने अपनी होंडा शाइन क्रमांक CG 04 PZ 4259 को एमपी कॉम्प्लेक्स, गुढ़ियारी के पास खड़ी की थी। वापस आने पर बाइक गायब मिली थी। इस पर थाना गुढ़ियारी में अपराध क्रमांक 227/26 धारा 303(2) BNS के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस उपायुक्त नार्थ जोन मयंक गुर्जर के निर्देश पर एडीसीपी आकाश मरकाम, एसीपी सुश्री पूणिर्मा लामा और थाना प्रभारी गुढ़ियारी के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इसी दौरान सूचना मिली कि एक व्यक्ति चोरी की बाइक बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। टीम ने घेराबंदी कर आरोपी उज्जवल पटेल उर्फ टार्ज़न को पकड़ा। पूछताछ में उसने बाइक का चोरी का होना स्वीकार किया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने गुढ़ियारी क्षेत्र से 3 अन्य बाइकें चोरी करना भी कबूल किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 4 नग चोरी की दोपहिया वाहन जब्त किए।

गिरफ्तार आरोपी में उज्जवल पटेल उर्फ टार्ज़न पिता झुड़क लाल पटेल, उम्र 40 वर्ष, निवासी जनता कॉलोनी कबीर नगर, थाना गुढ़ियारी, जिला रायपुर। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

बैद्यनाथ पारा नाली निर्माण में अनियमितता की शिकायत पर महापौर का औचक निरीक्षण, गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 38 स्थित बैद्यनाथ पारा की महावीर कॉलोनी में निर्माणाधीन नालियों में अनियमितता की शिकायत मिलने पर महापौर अलका बाघमार ने शुक्रवार को लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदारों के साथ मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता, गहराई, चौड़ाई और उपयोग की जा रही सामग्री की बारीकी से जांच की गई।

महापौर ने स्थानीय नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए। वहीं लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने स्वयं टेप से नालियों की नाप-जोख कराई। निरीक्षण में निर्धारित मानकों

के अनुरूप कार्य नहीं मिलने पर उन्होंने संबंधित एजेंसी और ठेकेदारों को कड़ी फटकार लगाई।

महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट कहा कि नगर निगम के विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदशिर्ता सवोच्च प्राथमिकता है। किसी भी निर्माण कार्य में लापरवाही, अनियमितता अथवा मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान संबंधित ठेकेदार राजीव झा, मनीष सोनी और राहुल सिंह के निर्माण कार्यों के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए। महापौर ने कहा कि जांच रिपोर्ट में जिस फर्म की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी सामने आएगी, उसके विरुद्ध ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं की जानकारी महापौर को दी। महापौर ने सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान पार्षद रामचंद्र सेन, रंजीता पाटिल, सुरूचि उमरे, सावित्री दमाहे, ललिता ठाकुर, कायर्पालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, उप अभियंता मोहित मरकाम सहित नगर निगम के अधिकारी, कमर्चारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

आपसी विवाद में गैती से की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

लुण्ड्रा थाना क्षेत्र में आपसी वाद-विवाद के बाद एक युवक की गैती से हमला कर हत्या कर देने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गैती भी जब्त की गई है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के निर्देशन पर थाना लुण्ड्रा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा।

प्रार्थी तिलसाय, निवासी राईखुर्द ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 6 भाई-बहन हैं। उनका तीसरे नंबर का भाई जीतू नागेश 2 जुलाई की सुबह करीब 8 बजे खेत में हल जुताई करने गया था। करीब 10:15 बजे पता चला कि गांव के झकड़ी उर्फ बुधराम बरगाह ने गैती से गंभीर चोट पहुंचा दी है। खून निकल रहा था। परिजन जीतू को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज

लुण्ड्रा पुलिस की त्वरित कार्वाई, घटना में प्रयुक्त गैती बरामद

अस्पताल अंबिकापुर ले गए, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मृत्यु सूचना रिपोर्ट दर्ज कर शव का पंचनामा और पीएम कराया गया।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लुण्ड्रा में अपराध क्रमांक 155/26 धारा 103(1) इठर के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

गिरफ्तार हुआ आरोपी में विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण और गवाहों के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी झकड़ी उर्फ बुधराम बरगाह, 60 वर्ष, निवासी राईखुर्द को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने मृतक से आपसी विवाद होने पर गैती से हमला कर हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गैती जप्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक नारायण सिंह, आरक्षक इबनुल खान, राजकुमार यादव और दिलीप मिंज की भूमिका सराहनीय रही।

अंदर की बात

-:: खुलकर : :-
यशवंत साहू
फाउंडर भिलाई टाइम्स

नकटी से सरकार चिंतित, मोहन भैया की खरी-खरी
केंद्रीय टीम में हमर छग, लोहा चोर पर कप्तान की नजर...

चिंतन में सरकार:

प्रदेश की साय सरकार चिंतन मोड पर है। आईआईएम नवा रायपुर में मंथन, मनन और चिंतन किया जा रहा है। सेशन का अंतिम दिन 5 जुलाई है। पहले दिन 4 जुलाई को मुखिया ने सारे मंत्रियों को बुलाया। फोटोसेशन हुआ। उसके बाद गंभीर मुद्दों पर बातें शुरू। सबसे पहले नकटी प्रकरण पर चर्चा हुई। आखिर कैसे हुआ ? अब क्या करना है ? गलती किसकी है ? इन सारी बातों पर चर्चा हुई। उसके बाद सरकार की छवि कैसे बेहतर किया जा सकता है ? इस पर मंथन हुआ। बृजमोहन अग्रवाल ने सारा ठिकरा अफसरों पर फोड़ दिया है। ओवरऑल कार्रवाई की टाइमिंग गलत निकली। साथ ही अगले एक-डेढ़ साल तक सरकार कैसे काम करेगी ? इस पर भी मंथन हुआ। ये बात तो साफ है कि सरकार घबरा गई है नकटी प्रकरण से।

लोहा गैंग से रसूखदारों से गहरा:

इस सप्ताह भी सबसे ज्यादा लोहा चोरी की स्टोरी टॉकिंग प्वाइंट में रही। सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और टीवी चैनलों की सुखिर्यां रही। सबकी अलग-अलग थ्योरी है। लेकिन पब्लिक पुलिस की थ्योरी सही मानकर इंतजार कर रही है कि अगला कौन... ? कौन है वो मास्टरमाइंड, जिसके गुर्गों को एसएसपी विजय अग्रवाल ने सलाखों के पीछे भेज दिया है। कप्तान ने इशारा कर दिया है कि मगरमच्छ को पकड़ने और वहां तक जाने में थोड़ा और वक्त लगेगा। आपको बता दूं कि इस एपिसोड में कुछ राजनेता जो दिखा रहे हैं या बता रहे हैं ? जरूरी नहीं कि उनकी सारी बातें एकदम सच हो। कुछ सच के इर्द-गिर्द है तो कुछ कोशों दूर है। कप्तान की अगली कार्रवाई का इंतजार सबको है।

IPS तबादले की सूची में कौन-कौन:

बहुप्रतिक्षित आईपीएस तबादले की सूची को लेकर कई सटीक अपडेट्स है। ब्यूरोक्रेसी की गलियारों से खबर आई है कि 15 जुलाई के आसपास एक सूची आने वाली है। इस सूची में कई कप्तान इधर-उधर होने वाले हैं। अंग्रेजी अखबार "द हितवाद" रायपुर के इन्वेस्टिवेटिव जर्नलिस्ट मुकेश सिंह के विश्लेषण के मुताबिक, इस सूची में कई रेंज के आईजी भी बदलने वाले हैं। 2004 बैच के आईपीएस अजय कुमार इन दिनों नेताजी सुभाषचंद्र बोस में डायरेक्टर का जिम्मा संभाल रहे हैं, उन्हें राजनांदगांव रेंज आईजी बनाकर भेजा जा सकता है। 2007 बैच के आईपीएस बालाजी राव सोमावार को सरगुजा भेजने की खबर है। 2007 बैच के आईपीएस दीपक कुमार झा को सरगुजा से दुर्ग रेंज लाने की तैयारी चल रही है। पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी के पद पर पोस्टेड 2020 बैच के आईपीएस उमेश प्रसाद गुप्ता को दंतेवाड़ा भेजा जा सकता है। उनके दो बैचमैट आईपीएस मयंक गुर्जर और संदीप पटेल का भी तबादला हो सकता है।

क्या इनका भी तबादला होगा ?:

अपने विश्लेषण में जर्नलिस्ट मुकेश सिंह ने कई जिलों के पुलिस कप्तान बदले जाने की बात कही है। उनके अनुसार, 2012 बैच के आईपीएस राजेश कुकरेजा, 2014 बैच के आईपीएस चंद्रमोहन सिंह, 2016 बैच के त्रिलोक बंसल, 2013 बैच के भोजराम पटेल, 2012 बैच के रामकृष्ण साहू, 2018 बैच के आईपीएस किरण गंगराम चवन, आईपीएस रवि कुर्रे, 2019 बैच के आईपीएस निखिल राखेचा, 2019 बैच के राय गौरव रामप्रवेश, 2018 बैच के आईपीएस जितेंद्र यादव, आईपीएस सूरज सिंह परिहार, वहीं डीआईजी रैंक के आईपीएस प्रशांत ठाकुर, राजेश अग्रवाल, रामकृष्ण साहू के तबादले की चर्चा है। कई प्राइम पोस्टिंग भी बातें खूब हो रही है। बहुत जल्द पता चलने वाला है।

उम्मीदों पर खरा उतरे मंत्री, सरकार गदगद:

छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों गायत्री मंत्र और प्राथर्ना को शुरू कराने वाले मंत्री गजेंद्र यादव से सरकार गदगद है। मंत्री बनने के बाद ये उनका पहला नया सत्र था। मंत्री गजेंद्र ने आलाकमान को खुश और हिंदूकार्ड खेलते हुए स्कूलों में गायत्री मंत्र और प्राथर्ना शुरू करवा दिया। दूसरे समुदाय के लोगों ने कोर्ट ने याचिका लगाई। इस पर आपत्ति दर्ज कराई। लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को नामांजूर कर दिया। मंत्री गजेंद्र के इस फैसले से चीजें स्पष्ट हो गई। सरकार मंत्री गजेंद्र के कामकाज से गदगद है। शिक्षक भर्ती के साथ-साथ शिक्षकों को ळएळ अनिवार्य से राहत देने के लिए फॉर्मूला निकाला जा रहा है। बहुत जल्द एनाउंस होगा। कुल मिलाकर मंत्री गजेंद्र उम्मीदों पर खरा उतर रहे हैं।

तनाव में गैंगस्टर, क्योंकि युवा नेता ने मशाल जलाकर माहौल बनाया:

जी हां, भिलाई स्टील प्लांट में लोहा चोरी के मसले पर पिछले दिनों भाजयुमो के प्रदेश नेता प्रशम द्वारा मशाल रैली निकाली गई। इस मशाल रैली में ये कहा गया कि, कुछ गैंगस्टर की भूमिका भी है लोहा चोरी में। उनके खिलाफ कार्रवाई कब होगी ? इन सवालों की वजह से गैंगस्टर तनाव में है। पुलिस भी अलर्ट मोड में है और कड़ियां जोड़कर देख रहे हैं कि इस गैंगस्टर का क्या कनेक्शन है ?

केंद्रीय टीम का असर छग में, क्योंकि:

जुलाई के महीने में बहुत कुछ बदलाव होना बाकी है। राष्ट्रीय संगठन में छत्तीसगढ़ से कौन जा रहे हैं ? ये देखने वाली बात है। साथ ही साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल में बदलाव की गुंजाइश के बीच ये भी खबर है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम का असर मंत्रिमंडल में साफ देखने को मिलेगा। इतना स्पष्ट है कि केंद्रीय नेतृत्व के फैसले का सीधा असर छत्तीसगढ़ में दिखने वाला है। दो बार लगातार चुनाव जीतने वाले ओबीसी फेस दुर्ग सांसद विजय बघेल के केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह पर फिर चर्चा शुरू हो गई है। वहीं विजय शर्मा या महेश गागड़ा को दिल्ली भेजे जाने की चर्चा है संगठन में। अब देखने वाली बात ये है कि राष्ट्रीय संगठन में कोई नेता छत्तीसगढ़ से जगह पक्की करते हैं या मोदी मंत्रिमंडल में कोई सांसद अपनी सीट रिजर्व करते हैं।

मोहन भैया को अंजाम की चिंता नहीं:

मोहन भैया यानी बृजमोहन अग्रवाल...सच बोलना उन्हें बेहतर ढंग से आता है। इसीलिए जनता के दिलों में राज करते हैं। नकटी वाले प्रकरण में ही देख लो। वे पहले ऐसे भाजपा नेता हैं, जिन्होंने कार्रवाई को लेकर सीधे सवाल उठाया है। दो दिन के लिए दिल्ली क्या गए ?, उनकी अनुपस्थिति में अफसरों ने बुलडोजर चला दिया। लौटे तो भड़क गए। बोले, कार्रवाई होगी, उन अफसरों पर, जिन्होंने ये दुस्साहस किया। सांसद स्तर पर मना करने के बाद भी कार्रवाई क्यों की गई ? एक तरह से उन्होंने अपने ही सरकार पर सवाल उठाया। क्योंकि, इस कार्रवाई से भाजपा सरकार की छवि धुमिल हुई। शायद, मोहन भैया की जगह कोई और होते तो इतना साहस नहीं करते बोलने के लिए। क्योंकि, उन्हें अंजाम की चिंता नहीं होती। जनता के साथ खड़ा होना उनकी प्राथमिकता में है। उनके इस अंदाज के सभी कायल रहते हैं।

अल-नीनो के चलते कम बारिश पर केंद्र की हाई-लेवल पर हुई समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

अमित शाह और शिवराज सिंह चौहान ने की बैठक, किसानों के हितों की रक्षा पर जोर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में अल-नीनो के कारण देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा और उसके संभावित प्रभावों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में मानसून की मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया। संभावित सूखे से निपटने की तैयारियों, जलाशयों और भूजल स्तर की लगातार निगरानी, कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने, खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करने और किसानों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी उपायों पर चर्चा हुई।

सरकार ने स्पष्ट किया कि अल-नीनो के असर वाले क्षेत्रों में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। कम वर्षा की स्थिति में फसल नुकसान को कम करने और किसानों को राहत देने के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में संबंधित विभागों को राज्यों के साथ समन्वय कर तैयारी पुख्ता करने और किसानों तक योजनाओं की जानकारी तत्काल पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100